6 साल बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

मासिक कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-2 | सितम्बर-2023 | पृष्ठ-32 | मूल्य : ₹ 20.00

रजि. सं. 2005/175

मास्टर भौंरीलाल वर्मा चेरिटेबल ट्रस्ट

30, नवल निकुंज, पंचवटी जेडीए कॉलोनी, गुर्जर की थड़ी, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

स्व. मास्टर भौंरीलाल वर्मा (देवतवाल)

(14 सितम्बर 1914-24 सितम्बर 1983)

चिरस्मरणीय समाज सेवी, बहुमुखी, बहुआयामी व्यक्तित्व के धनी एवं कुमावत समाज के अग्र पुरुष स्व. श्री भौंरीलाल वर्मा (मास्टरजी) की स्मृति को अक्षुण्ण बनाये रखने के लिए उनकी **109वीं जयन्ती** पर ट्रस्ट ने कच्ची बस्तियों में कचरा बीनने, भीख मांगने एवं अभद्र भाषा बोलने वाले नन्हें-मुन्हे जरूरतमंद बच्चों को सभ्य, साक्षर एवं संस्कारित कर देश की मुख्य धारा से जोड़ने का अथक एवं सफल प्रयास किए जाने की अनूठी पहल की है।

ट्रस्ट की प्रमुख गतिविधियां

(1) प्रतिवर्ष छात्र-छात्राओं के प्रोत्साहन हेतु विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित करना।

(2) आर्थिक दृष्टि से कमजोर एवं मेधावी छात्र-छात्राओं को अग्रिम अध्ययन हेतु छात्रवृत्ति प्रदान करना।

(3) श्रीमती लक्ष्मी स्मृति पुस्तकालय के माध्यम से छात्र-छात्राओं को पुस्तकीय सहायता करना।

(4) स्व. मास्टर जी की जयन्ती 14 सितम्बर को स्मृति व्याख्यान आयोजित करना एवं समारोह की विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजेता छात्र-छात्राओं को पुरस्कार प्रदान करना एवं छात्रवृत्ति वितरण करना।

(5) समाज सेवा एवं शैक्षणिक उन्नयन हेतु अन्य कार्यक्रमों का आयोजन।

किशोर कुमार देवतवाल
संरक्षक
मो.: 7877095052

रामजीलाल तोंदवाल
अध्यक्ष
मो.: 9828130256

रामचन्द्र वर्मा
उपाध्यक्ष
मो.: 9672750188

धीरज वर्मा
कोषाध्यक्ष
मो.: 9929442200

रविकान्त वर्मा
मंत्री
मो.: 9983314170

कुमावत प्रगति ट्रस्ट

पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018

अध्यक्ष	:	रमेश कुमावत (गेदर)	मो. 9414554322
उपाध्यक्ष	:	रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट	मो. 9887440666
सचिव	:	श्रीमती भारती तोंदवाल	मो. 9414810584
कोषाध्यक्ष	:	लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल	मो. 9549656438
सदस्य ट्रस्टी	:	सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा)	मो. 9414994006
		सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल)	मो. 9829056063
		हेमचन्द खड़गटा	मो. 9351682036
		रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)	मो. 9414074376
		जयकिशन सोकिल	मो. 9829125428
		चेतन बालोदिया	मो. 9414052736
		मोहन लाल कुमावत	मो. 9887557425
सलाहकार	:	गिरधारी लाल सिंघनवाल	मो. 9414263429

सम्पादक मण्डल : रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) सम्पादक - 9414074376, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, गौरव अजमेरा 9829488824, प्रमोद कुण्डलवाल 9414362169, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

व्यवस्थापक मण्डल : महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, श्रीमती राजबाला बिर्थला 7976475370, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया तथा मुकेश कारगवाल 9828606056, राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

पत्रिका सहयोगी :

छत्तीसगढ़ : रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

प्रोसेसिंग व मुद्रक : राज ब्लॉक्स, चौड़ा रास्ता व 22 गोदाम, जयपुर

सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650

विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700

नोट 1 : संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

नोट 2. 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।

स्वत्वाधिकार : कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित सम्पादक राम प्रकाश कुमावत (मारवाल)

सम्पादकीय

सामाजिक संगठनों में एक समाज में विभिन्न संस्थाएं अपने मान्य तथा पूर्व निश्चित उद्देश्यों व नियमों के अनुसार मिलजुल कर कार्य करती है तथा अपने-अपने निर्धारित कार्यों के अनुसार क्रियाशील रहती है। इसके सदस्यों के बीच कार्य का बंटवारा होता है जिनके आधार पर हर व्यक्ति अपनी भूमिका का निर्वाह करता है इससे सामाजिक व्यवस्था बनी रहती है। प्रत्येक समाज में सामाजिक संगठन है जो अपने समाज के उत्थान हेतु प्रयासरत रहते हैं साथ ही समाज की कुरीतियों व समस्याओं का निवारण करते हैं।

कुमावत समाज में अनेक संगठन समाज को योगदान दे रहे हैं। जयपुर में कुमावत समाज की दो सामाजिक संस्थाओं जिसमें कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, टोंक फाटक और कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर में निर्धारित कार्यक्रम अनुसार हाल ही में निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई। खुशी की बात यह रही कि कार्यकारिणी निर्विरोध निर्वाचित हुई। सर्वप्रथम निर्वाचित कार्यकारिणीयों को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं। **मालवीयनगर में प्रथम बार महिला अध्यक्ष श्रीमती भारती तोंदवाल निर्वाचित हुई है व कार्यकारिणी में महिलाओं का प्रतिनिधित्व 33% है।** यह महिला सशक्तिकरण की अच्छी पहल है। संसद से पहले मालवीय नगर ने ऐसा कर दिखाया है।

निकट भविष्य में जैसे राजस्थान, छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश विधानसभाओं के चुनाव संपन्न होने जा रहे हैं। इन चुनावों में सभी राजनैतिक दलों के टिकिट बटवारे में कुमावत समाज के प्रतिनिधियों को टिकिट दिये जाने चाहिए। पर पूरे समाज को प्रयास करना होगा।

आज हम भारी चमक को पाने की अंधी दौड़ में आंतरिक संतोष आत्मिक प्रगति हुआ आध्यात्मिक विकास को भूल बैठे हैं। इस दौड़ में दिलों की दरिद्रता और भावनाओं की रिक्तता ही हमारे हिस्से में आई है, जिसे हम चारों ओर महसूस कर रहे हैं। यह ठीक है कि हम सुख-संपन्नता की ओर बढ़े हैं किंतु उसी अनुपात में परस्पर आपसी प्रेम व विश्वास में कमी आई है। एक दूसरे के प्रति संदेह और कठोरता जैसी नकारात्मकता बढ़ी है। आज देश में अनीति, अन्याय, असहनशीलता और अविश्वास व्याप्त है। ऐसा इसलिए है, क्योंकि मनुष्य के अंतरंग में देवी और आसुरी शक्तियां दोनों ही कार्य करती है। आसुरी वृत्तियां अर्थात नकारात्मक शक्तियां हमें नीचे गिराती है व पतन की ओर ले जाती हैं। क्यों ना हम **इस नवरात्र पर्व से हमारे अंतरंग में व्याप्त आसुरी शक्तियों को जड़ से खत्म करने की शुरुआत करें** इस बाहरी दिखावे व चमक की दौड़ और आडंबर से दूर होने की कोशिश करें। नवरात्रि एक साल में चार बार आती है लेकिन चैत्र और शारदीय नवरात्रि का विशेष महत्व है। हिंदू नववर्ष की शुरुवात चैत्र नवरात्रि से माने जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार शारदीय नवरात्रि के नौ दिनों में मां दुर्गा धरती पर आती है, उनके आने की खुशी में इन 9 दिनों को दुर्गा उत्सव के तौर पर देशभर में धूमधाम से मनाया जाता है। धार्मिक आयोजनों के साथ-साथ नया व्यापार, ग्रह प्रवेश, शुभ कार्य करने का प्रचलन है। हमें इस पवित्र पर्व पर स्वयं के चरित्र में व्याप्त बुराइयों को सदैव के लिए खत्म करने के शुरुआत करनी चाहिए जिससे कि हमारे जीवन में सुख-शांति हो तथा परिवार व समाज में समृद्धि का प्रसार हो।

नवरात्रि एवं **दशहरा** पर्व की सभी को **हार्दिक शुभकामनाएं।**

- रामप्रकाश कुमावत (मारवाल)

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।

सम्पादकीय	3	राजस्थान चैप्टर, जयपुर द्वारा श्री ओम प्रकाश कुमावत सम्मानित	11
विशिष्ट संरक्षक : श्री ओमप्रकाश वर्मा	4	बधाई संदेश	12
मुकेश वर्मा का सम्मान	5	महाशक्ति की आराधना का पर्व : नवरात्रि	13
भारती तोंदवाल अध्यक्ष निर्वाचित, महिला सशक्तिकरण की पहल	6	राजसमंद कुमावत महिला मण्डल गठित	13
सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा द्वारा राजनीतिक चिंतन व विचार गोष्ठी	6	मातृशक्ति की स्थिति और आवश्यक विचार	14
डूंगरराम गैदर कांग्रेस स्ट्रेटेजिक कमेटी के सदस्य मनोनीत	7	राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पर अमरचंद कुदीवाल मनोनीत	15
खेमराज कुमावत बने LIC में विकास अधिकारी	7	संजीव वर्मा प्रदेश युवा अध्यक्ष, श्रीमती भारती वर्मा अध्यक्ष मनोनीत	15
भारत के बढ़ते कदम	7	श्री अकिंचन जी द्वारा 886वीं श्रीमद्भागवत कथा	15
मुकेश वर्मा द्वारा कांग्रेस पर्यवेक्षक को टिकिट हेतु आवेदन दिया	8	राजनैतक व्यक्तित्व : श्री ललित जालवाल	16
गोपाल लाल कुमावत शिक्षक संघ शाहपुरा		बधाई विज्ञापन	17
के जिलाध्यक्ष निर्वाचित	8	श्री ललित कुमावत (जालवाल)	18
संजय कुमावत ओबीसी प्रदेश सचिव नियुक्त	8	ओम प्रकाश कुमावत का जयपुर आगमन पर स्वागत	18
दांतारामगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह	8	स्थायी पता	19
त्रिवेणी धाम में 2 अक्टूबर को प्रतिभा सम्मान समारोह	8	'तुम्ह सन सहज सनेह'	20
तिगरिया में 60 प्रतिभाओं का सम्मान	8	बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर में निर्वाचित उम्मीदवार	20
विजय कुमावत को स्वदेश भारत गौरव सम्मान	8	रिंकू कुमावत ने तीन मिमी. का अशोक स्तम्भ व गणेश जी की मूर्ति बनाई	20
प्रभुदयाल तूनगरिया का दोहरा सम्मान	9	कविता : माँ से शिकायत	20
बसंत पंचमी पर चित्तौड़ में सामूहिक विवाह	9	संस्कार : श्रेष्ठ समाज की पहचान	21
सामाजिक बुराइयों की समाप्ति के लिए शपथ ली	9	सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों में महिलाओं की भागीदारी ?	22
पूजा कुमावत ने चीन में जीता कांस्य	9	गुरुनानक देव की पुण्य तिथि 22 सितम्बर पर विशेष	23
गिद्ध चित्रकला प्रतियोगिता में धनराज तृतीय रहे	9	बदलते मौसम में रखे अपनों का ख्याल	23
आयशा ने लिखी पुस्तक The Future 2070	10	कविता : माँ मेरा क्या कसूर	23
पवन कुमावत भारतीय टीम में चयनित	10	विशिष्ट संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि	24
जेसिका कुमावत का चयन सीएलएटी-2023 में हुआ	10	विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची	25
रविन्द्र मंच पर सिद्धार्थ कुमावत के निर्देशन में खेला गया नाटक बार्किंग डॉग	10	आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने पर सम्पर्क सूत्र	26
टीम: चेतन धुंधारिया द्वारा क्षय रोगियों को वितरित किया गया पोषक आहार किट	11	रक्तदान, चिकित्सा जांच तथा प्रतिभा सम्मान समारोह	29

विशिष्ट संरक्षक

श्री ओमप्रकाश वर्मा (कुमावत)

ए टावर 201, क्रिमशन पैलेस, श्रीराम मार्बल के सामने,
अलथाण रोड, सूरत, गुजरात-395017, मो. 9898507466

श्री ओमप्रकाश मालीराम वर्मा (कुमावत) बड़मुंडा का जन्म 10 अप्रेल 1957 को श्री मालीराम बडमुंडा के परिवार में श्रीमाधोपुर, जिला सीकर, राजस्थान में हुआ। आपने मेट्रिक तक शिक्षा ग्रहण की है। आपने अपने केरियर की शुरुआत 18 जून 1973 को गुजरात के गांधीनगर से की। आपने ठेकेदारी पिताजी के पास रहकर सीखी। आपका विवाह 30 अप्रैल 1980 को श्री मनोहरलाल ठेकेदार (तुनवाल) की सुपुत्री पार्वती वर्मा, भीलवाडा से हुआ। 15 जून 1980 से ये सूरत आ गये और यहां ठेकेदारी की शुरुआत की। आपके परिवार में एक बेटा व दो बेटियां है। बेटा योगेश कुमार वर्मा सूरत, गुजरात गवर्नमेंट में इन्जीनियर है। बड़ी बेटी मीनाक्षी वर्मा एलएलबी, का ससुराल झुंझुनूं, राजस्थान में है। छोटी बेटी कविता वर्मा सूरत में इंटीरियर डिजाइनर है।

आपने जिन्दगी में बहुत उतार-चढ़ाव देखे हैं किन्तु मृदु स्वभाव तथा दृढ निश्चय से जीवन में सफलता की पायदान चढते रहे है। आप सूरत की राजनीति में भी सक्रिय रहे हैं, सूरत शहर जिला सचिव के पद पर लगातार तीन टर्म तक काम किया तथा समाज के विभिन्न संगठनों में आपने सेवाएं दी है। आप 4 जून 2023 को भारतीय कुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर मनोनीत किए गये है। 'कुमावत इंडिया' परिवार आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करता है।

हार्दिक बधाई

श्रीमती भारती तोंदवाल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर
के निर्विरोध अध्यक्ष बनने तथा
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की
प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर
हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

खेमचंद खड़गटा
उप-कोषाध्यक्ष, कुमावत इंडिया पत्रिका
मो. : 9829140629

विज्ञापन

'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 6 वर्ष पूर्ण होने पर समारोह

मुकेश वर्मा का 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा सम्मान

'कुमावत गाथा' का 7वें वर्ष के प्रथम अंक में प्रकाशन, मुकेश वर्मा द्वारा विमोचन

20 अगस्त, 2023 को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा प्रकाशन के 6 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित समारोह में **श्री मुकेश वर्मा को मुख्य अतिथि के रूप में आमंत्रित किया।** 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के 7वें वर्ष के प्रथम अंक का इस अवसर पर श्री मुकेश वर्मा द्वारा विमोचन किया गया। इस अंक में **कुमावत गाथा** का रंगीन पृष्ठों में सचित्र प्रकाशन किया गया है जिसमें कुमावत समाज के सदस्यों द्वारा बनाई गई ऐतिहासिक इमारतों का वर्णन किया गया है। जिन्हें देखने के लिए देश-विदेश से अनेक पर्यटक आते हैं तथा इन्हें देखकर दांतों तले उंगली दबा लेते हैं कि कैसे उस समय जब तकनीक इतनी विकसित नहीं थी इन इमारतों : गढ़/किले, महलों, मंदिरों तथा सार्वजनिक महत्व की ईमारतों का निर्माण हुआ। कुमावत गाथा को तैयार कराने का श्रेय भी श्री मुकेश वर्मा को है। समारोह में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका अगस्त अंक का वितरण किया गया। सभी आगन्तुकों ने इस अंक की प्रशंसा की।

स्थापत्य कला बोर्ड के गठन की अधिसूचना हाल ही में राजस्थान सरकार द्वारा जारी की गई है। इसके गठन में भी श्री मुकेश वर्मा की मेहनत व लगन है जिससे यह असंभव कार्य भी संभव हो पाया है। श्री मुकेश वर्मा ने इस अवसर पर कहा कि स्थापत्य कला बोर्ड के पदों पर केवल कुमावत ही नियुक्त हो सकते हैं तथा इसका क्षेत्र बहुत ही विस्तृत है। राजनीतिक दलों से आगामी विधानसभा चुनावों में समाजजनों को टिकिट के बारे में उन्होंने बताया कि समाज के लोग अपने क्षेत्र में कार्य करके लोगों के दिलों में स्थान बनाए तथा जिताऊ उम्मीदवार बनें तो कोई भी पार्टी उसे टिकिट देने के लिए स्वयं आएगी। **श्री मुकेश वर्मा** द्वारा किए गए विशिष्ट कार्यों के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका परिवार ने गणमान्य समाजजनों की उपस्थिति में उन्हें सम्मानित किया।

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव

भारती तोंदवाल अध्यक्ष निर्वाचित, महिला सशक्तिकरण की पहल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के द्विवार्षिक चुनाव में श्रीमती भारती तोंदवाल निर्विरोध अध्यक्ष निर्वाचित हुई, यह महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक अच्छी पहल हुई है। आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी प्रतिभा के दम पर बुलन्दी पर है तथा कुमावत समाज में भी महिला प्रतिभाओं की कोई कमी नहीं है। श्रीमती भारती एक शिक्षिका एवं मंच संचालक हैं, मालवीय नगर समिति की दो टर्म से उपाध्यक्ष हैं तथा 'कुमावत इंडिया' मासिक पत्रिका की सचिव हैं। इन्होंने अपनी हर जिम्मेदारी को अच्छी तरह निभाया है। हाल ही में सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) ने इन्हें राजस्थान प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत किया है। अब मालवीय नगर समिति में अध्यक्ष के रूप में नेतृत्व करने तथा नीतिगत निर्णय लेने में महिलाओं की एक तिहाई भागीदारी रहेगी। इनके अलावा निर्वाचित महिला उम्मीदवारों में श्रीमती माया घोड़ीवाल उपाध्यक्ष (महिला), डॉ. प्रिया मारवाल (उपमंत्री) तथा कार्यकारिणी सदस्य CA शशि कुमावत एवं श्रीमती सीमा मारवाल। इतनी तादाद में समाज की किसी भी समिति में महिलाओं को प्रतिनिधित्व नहीं मिला है।

निर्वाचित अन्य उम्मीदवार हैं-श्री ओम प्रकाश कुलचानिया (उपाध्यक्ष), श्री गौरव अजमेरा (मंत्री), श्री आशुतोष कोलुगरिया (उप-मंत्री), श्री अनिल वर्मा (उप-मंत्री), श्री सुरेन्द्र बाबु घोड़ीवाल (कोषाध्यक्ष), श्री महेन्द्र कोलुगरिया (सह-कोषाध्यक्ष) श्री अजय वर्मा (संगठन एवं प्रचार मंत्री), श्री रमेश चन्द कुमावत (कार्यकारिणी सदस्य) तथा श्री रवि कुमार वर्मा (कार्यकारिणी सदस्य)

जैसे चन्द्रयान-3 कार्यक्रम में महिलाओं ने सफलता के झण्डे गाड़े, वैसे ही श्रीमती भारती तोंदवाल के नेतृत्व में मालवीय नगर समिति सफलता के नवीन मानदण्ड स्थापित करेगी ऐसी सभी को आशा है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से सभी निर्वाचित उम्मीदवारों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामना।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा द्वारा राजनीतिक चिंतन व विचारगोष्ठी आयोजित

17 सितंबर 2023 को वैशाली नगर जयपुर में सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा द्वारा राजनीतिक चिंतन, विचारगोष्ठी व सामूहिक गोठ का आयोजन बड़ी धूमधाम से मनाया गया। इसमें मुख्य अतिथि के रूप में श्री निर्मल कुमावत (फुलेरा विधायक), श्री सुरेंद्र जी गोयल (पूर्व कैबिनेट मंत्री राजस्थान सरकार), श्री ललित तोंदवाल (संगठन महामंत्री राज प्रदेश कांग्रेस कमेटी), राजस्थान के प्रत्येक जिले से गणमान्य अतिथिगण तथा सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारी कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए पधारे। सभी ने राजनेतिक चिंतन किया व विचार गोष्ठी में अपने-अपने अमूल्य विचार रखे।

सभी ने कार्यक्रम की प्रशंसा व सहारना की। शाम को सांस्कृतिक कार्यक्रम व सामूहिक गोठ का सभी ने मिलकर आनंद लिया। कार्यक्रम में आए सभी लोगों ने कार्यक्रम की प्रशंसा की तथा इसे सफल बनाया। महिलाओं की उपस्थिति भी पर्याप्त मात्रा में रही।

डूंगरराम गैदर कांग्रेस स्ट्रेटेजिक कमेटी के सदस्य मनोनीत

सूरतगढ़ –कांग्रेस नेता शिल्प व माटी कला बोर्ड के अध्यक्ष राज्यमंत्री डूंगर राम गेदर को आगामी होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी स्ट्रेटेजिक कमेटी का सदस्य बनाया। श्री गेदर ने स्ट्रेटेजिक कमेटी का सदस्य बनाये जाने पर कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ,श्रीमति सोनिया गांधी , पूर्व अध्यक्ष और सांसद राहुल गांधी , सांसद केसी वेणुगोपाल, प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा , मुख्यमंत्री अशोक गहलोत , प्रदेश अध्यक्ष गोविंद डोटासरा , प्रदेश स्क्रीनिंग कमेटी के प्रभारी गौरव गोगोई, सह प्रभारी गणेश गोदियाल , अभिषेक दत्त, प्रदेश के प्रभारी काजी निजामुदीन , अमृता धवन, वीरेंद्र और जिला अध्यक्ष अंकुर मिगलानी , जिला प्रभारी श्री जिया उर रहमान के साथ साथ पूरी कांग्रेस पार्टी का आभार प्रकट किया है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी को विश्वास दिलवाया है की ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी द्वारा दी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी के साथ निभायेंगे।

श्री गेदर के आल इंडिया कांग्रेस कमेटी के स्ट्रेटेजिक कमेटी का सदस्य बनाये जाने से उनका राजनीतिक कद बढ़ा है। जन सेवा केन्द्र सूरतगढ़ में उनके समर्थकों ने मिठाई खिलाकर एक दूसरे को बधाई दी। '**कुमावत इंडिया**' पत्रिका की ओर से भी श्री डूंगरराम गेदर को बधाई।

डूंगरराम गेदर के जन्मदिन पर 2700 यूनिट रक्तदान

राजस्थान के इतिहास मे दूसरा सबसे बड़ा रक्तदान महादान शिविर माननीय डुंगरराम जी गेदर साहब के जन्मदिन पर अग्रसेन भवन, सूरतगढ में 2700 यूनिट रक्तदान किया गया। इससे पहले केवल सचिन पायलट के जन्मदिन पर जयपुर में 3100 यूनिट रक्तदान किया गया था। एक ही शिविर में ये भी रिकार्ड टूट जाता लेकिन जयपुर की मेडीकल टीम व श्रीगंगानगर मेडीकल टीम ने हाथ खड़े कर दिये कि उनके पास इतने ही संसाधन हैं। यह है डूंगरराम जी का जनाधार।

खेमराज कुमावत बने LIC में विकास अधिकारी

फुलेरा: निकटवर्ती ग्राम कचरोदा निवासी खेमराज कुमावत का पक्का इरादा और कड़ी मेहनत ने रंग दिखाते हुए भारतीय जीवन बीमा निगम में विकास अधिकारी पद पर नियुक्ति लेकर साबित कर दिया कि यदि हमारा इरादा पक्का हो और कड़ी मेहनत से किया गया कार्य सदैव सफलता प्रदान करता है।

जयपुर जिले की काचरोदा ग्राम पंचायत निवासी रतन लाल कुमावत के पुत्र खेम राज कुमावत का भारतीय जीवन बीमा निगम अजमेर डिवीजन के किशनगढ़ में विकास अधिकारी के पद पर चयन हुआ है खेमराज कुमावत ने बताया कि वह पिछले19वर्षो से भारतीय जीवन बीमा निगम के विभिन्न क्लब सदस्यता ग्रहण कर अपनी सेवाए दी और वर्ष 2022-23 की विकास अधिकारी की परीक्षा पास की। खेम राज कुमावत ने अपनी सफलता का श्रेय अपने विकास अधिकारी वेद प्रकाश कुमावत व अपने माता- पिता को दिया है।

- मुकेश कुमावत, बोराज

भारत के बढ़ते कदम

■ G-20 सम्मेलन आयोजित ■ महिला शक्ति वंदन अधिनियम का बिल पारित

भारत ने **G-20 सम्मेलन** का सफल आयोजन करके दुनिया को नेतृत्व देने तथा अपने एजेण्डा को मनवाने का सफल प्रयास किया है। सभागार **भारत मण्डपम्**, दिल्ली में यह आयोजन हुआ। जिसकी भव्यता देखकर दुनिया के विकसित देश के नेता भी अचंभित थे। सम्मेलन के दौरान भारत ने अपनी कूटनीति का लोहा दुनिया से मनवा लिया तथा दक्षिण अफ्रीका को इस संगठन का 21वां सदस्य बनवाकर अपनी बात मनवाई तथा चीन जैसे बड़े देश को भी अफ्रीकी देशों में अपना प्रभाव रखने में पीछे छोड़ दिया।

सरकार ने हाल ही में संसद का विशेष सत्र बुलाकर पुराने संसद भवन से विदाई ली तथा अगले दिन नए संसद भवन में बैठकर **महिला शक्ति वंदन अधिनियम** का बिल प्रस्तुत कर उसे लोकसभा तथा राज्य सभा से पारित करा लिया। यह लगभग सर्वसम्मति से पारित हुआ जो महिलाओं को लोकसभा तथा विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था करता है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में सरकार का यह कदम अत्यन्त सराहनीय है।

20 अगस्त 2023 को सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा महिला मोर्चा द्वारा लहरिया उत्सव 2023 बाल निवास, कल्याण जी के रास्ते में बनाया गया जिसमें महिलाओं द्वारा बहुत से सांस्कृतिक कार्यक्रम किए गए महिलाओं द्वारा म्यूजिक चेयर, डांस, झूला बहुत सी गतिविधियों की गई सभी को काफी मजा आया वह सब ने अपने बचपन को याद करके सभी ने साथ मिलकर काफी का आनन्द लिया।

मुकेश वर्मा द्वारा कांग्रेस पर्यवेक्षक को टिकिट हेतु आवेदन दिया

27 अगस्त को श्री मुकेश वर्मा (कुमावत) द्वारा जयपुर पर्यवेक्षक को झोटवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से टिकिट देने हेतु काफिले के साथ जाकर आवेदन पत्र सौंपा गया है। इस क्षेत्र से पहली बार किसी कुमावत द्वारा दावेदारी की गई है। ज्ञातव्य रहे कि श्री मुकेश कुमावत पिछले चुनावों से पहले से ही इस क्षेत्र में जनता के कामों को प्राथमिकता के आधार पर सरकार से कराते रहे हैं। आज मुकेश कुमावत झोटवाड़ा क्षेत्र के जन-जन के नेता जाने जाते हैं। श्री मुकेश कुमावत को 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक शुभकामना।

गोपाल लाल कुमावत शिक्षक संघ शाहपुरा के जिलाध्यक्ष निर्वाचित

राजस्थान शिक्षक संघ शेखावत, जिला शाहपुरा के जिलाध्यक्ष पद पर सभी से राय मशविरा करके श्री गोपाल लाल कुमावत को निर्विरोध जिलाध्यक्ष निर्वाचित किया गया है। उन्हे शिक्षकगणों ने माल्यार्पण कर बधाई दी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से भी श्री गोपाल लाल कुमावत को बधाई।

संजय कुमावत ओबीसी प्रदेश सचिव नियुक्त

राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग द्वारा रोजदा गांव निवासी संजय कुमावत को प्रदेश सचिव नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति से कुमावत समाज ने हर्ष जताया है। 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से संजय कुमावत को हार्दिक बधाई।

दांतारामगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह

3 सितम्बर, 2023 को कुमावत समाज सेवा समिति दांतारामगढ़ के तत्वावधान में रामगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन हुआ। इस समारोह में कक्षा 10 के 160 तथा कक्षा 12 के 140 विद्यार्थियों का सम्मान किया गया जिन्होंने 75 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किए थे। इसके अतिरिक्त बी.एड., बी.टैक, नीट, बीएसटीसी आदि प्रतियोगिता परीक्षाओं में उत्तीर्ण व 2023 में सरकारी नौकरी प्राप्त करने वाले 65 लोगों को भी सम्मानित किया गया। 95 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को एक मोती उपहार में दिया गया। 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वालों को शॉल, पानी की बोतल, डिक्शनरी व हनुमान चालीसा उपहार में दी गई।

इस अवसर पर प्रगतिशील किसान सूण्डाराम वर्मा, ठेकेदार गुरुचरण जलीन्द्रा, कैलाश रावोरिया, मधु कुमावत, सुनील कुमावत, शकुन्तला कुमावत, बसन्त कुमावत, सुभाष भारतीय, डॉ. खेताराम कुमावत, राजेश चेजारा, प्रीतम कुमावत, पी.डी. कुमावत व अनील मारोठिया उपस्थित रहे। ऐसे आयोजनों से समाज के अन्य लोग प्रेरित होते हैं व सम्मानित लोगों का उत्साह बढ़ता है।

विजय कुमावत को स्वदेश भारत गौरव सम्मान

विजय कुमावत फाइन आर्टिस्ट मुम्बई को स्वदेश संस्थान इंडिया, अयोध्या द्वारा स्वदेश भारत गौरव सम्मान 2023 तथा अन्तर्राष्ट्रीय ऑनलाइन समर आर्ट शो-2023 के मास्टर अवार्ड से सम्मानित किया गया है। विजय कुमावत को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

त्रिवेणी धाम में 2 अक्टूबर को प्रतिभा सम्मान समारोह

श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति (रजि.) त्रिवेणी धाम, साईंवाड़, तहसील शाहपुरा, जिला जयपुर द्वारा क्षत्रिय कुमावत समाज धर्मशाला त्रिवेणी धाम में सोमवार, 2 अक्टूबर, 2023 को प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन प्रातः 9 से 4 बजे तक किया गया है। इसमें आमेर, शाहपुरा, विराटनगर, कोटपूतली, बहरोड, पावटा, अलवर, निमराणा, अजीतगढ़, श्री माधोपुर, खण्डेला, नीम का थाना, खेतड़ी, चौमूं तथा जमवारामगढ़ तहसील के प्रतिभावान विद्यार्थियों, खिलाड़ियों एवं प्रशासनिक व राजकीय सेवा में चयनित समाज प्रतिभाओं का सम्मान किया जाएगा। इसके लिए सत्र-2023 में सैकण्डरी, सीनियर सैकण्डरी में 80 प्रतिशत या अधिक, स्नातक व स्नातकोत्तर में 70 प्रतिशत या अधिक अंक प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। इस समारोह में राजकीय सेवा में अक्टूबर 2022 से नियुक्त राज्य /राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर चयनित खिलाड़ियों को भी सम्मानित किया जाएगा।

तिगरिया में 60 प्रतिभाओं का सम्मान

ग्राम पंचायत तिगरिया, इटावा भोपजी के द्रोणाचार्य शिक्षण संस्थान में निदेशक राकेश कुमावत (राकुजी) के नेतृत्व में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि हेमन्त कुमावत चौमूं के आम आदमी पार्टी नेता थे। सम्मान समारोह में 95 प्रतिशत से अधिक अंक लाने वाली 60 प्रतिभाओं को स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर बच्चों से आह्वान किया गया कि वे सोशल मीडिया से दूर रहें तथा अपना पूर्ण ध्यान पढ़ाई की ओर लगाएं।

प्रभुदयाल तूनगरिया का दोहरा सम्मान

किशनगढ़ तहसील की धरा तथा आसपास के गांव-गांव में योग क्रांति की अलख जगाने, योग के लिये प्रेरित करने तथा प्रतिदिन योग सिखाने के लिए 3-3 निःशुल्क क्लास लगाकर योग के प्रति जाग्रति लाने का कार्य किया है, **श्री प्रभुदयाल तुनगरिया** ने।

श्री तूनगरिया ने एक रिकॉर्ड बनाया है जो काफ़ी चर्चाओं में है। उन्हें **'छोटे बाबा रामदेव'** के नाम से जाना जाने लगा है व अनेक जगह आशीर्वाद व स्नेह मिल रहा है। यह बात किशनगढ़ नगर परिषद की जानकारी में भी आयी तब इन्हे दो जगह सम्मानित किया गया-

1. 77वें स्वाधीनता दिवस समारोह 15 अगस्त 2023 को उपखण्ड अधिकारी श्री रामसिंह गुर्जर, पुलिस उप-अधीक्षक श्री मनीष शर्मा, तहसीलदार श्री शेतानसिंह, नगर परिषद सभापति श्री दिनेशसिंह राठौड़, वि नगर परिषद आयुक्त श्री धर्मपाल जाट द्वारा योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों के लिये सम्मानित किया गया।

2. 10 सितम्बर 23 को किशनगढ़ की प्रतिभाओं का सम्मान किया गया इसमें भी योग के क्षेत्र में कार्य के लिए प्रभुदयाल तूनगरिया को सम्मानित किया गया।

पूरे भारत में शायद ही ऐसा कोई उदाहरण हो जिसने कुमावत समाज के नाम को इस क्षेत्र गौरवान्वित किया हो। श्री प्रभुदयाल कुमावत ने समाज के गौरव को बढ़ाया है, किशनगढ़ में इस क्षेत्र समाज का व्यक्ति का सम्मानित होना गर्व की बात है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार की ओर से श्री प्रभुदयाल तुनवाल को नगर परिष्ज़द से मिले दोहरे सम्मान के लिए हार्दिक बधाई।

बसंत पंचमी पर चित्तौड़ में सामूहिक विवाह

कुमावत विकास एवं सेवा संस्थान, चित्तौड़गढ़ द्वारा बालचन्द गैदर की अध्यक्षता में मीटिंग हुई जिसमें बसंत पंचमी, 14 फरवरी 2024 को पंचम आदर्श तुलसी एवं सामूहिक विवाह सम्मेलन ऐतिहासिक एवं भव्यता से करने का सर्वसम्मति से निर्णय भी हुआ। इसमें 31 जोड़ों का विवाह कराए जाने का लक्ष्य रखा गया है। यह सम्मेलन गांधी नगर, चित्तौड़गढ़ स्थित निर्माणाधीन श्री चारभुजा कुमावत समाज छात्रावास में आयोजित किया जाएगा। इस आयोजन के अध्यक्ष श्री जगदीश राजोरा, कोषाध्यक्ष ओमप्रकाश गैदर, सचिव दिनेश डूंगरवार को मनोनीत किया गया है। अध्यक्ष राजोरा ने समिति का विस्तार कर युवाओं को जोड़ने का कार्य शीघ्र करना बताया। इसके लिए पिछले वर्षों के आधार पर 40 लाख रुपए का बजट पारित किया गया। इस मीटिंग में संस्थान के पूर्व अध्यक्ष रमेश चन्द्र खन्ना, सचिव मदनलाल खनारिया, शिक्षाविद् श्याम सिंह मंडलिया, छात्रावास निर्माण समिति अध्यक्ष किशन लाल धनेरिया आदि गणमान्य समाजजन उपस्थित थे।

सामाजिक बुराइयों की समाप्ति के लिए शपथ ली

कुमावत समाज भवन देवलीकलां में रायपुर क्षेत्र के 18 खेड़ों की आम सभा आयोजित की गई जिसमें खेड़ों के चिट्टीदार व कुमावत समाज देवलीकलां के समाजवासी उपस्थित हुए। इस अवसर पर समाज में व्याप्त सामाजिक बुराइयों को समाप्त करने व नशा प्रवृत्ति को रोकने के लिए राधाकृष्ण भगवान को साक्षी मानकर शपथ ली गई। इस अवसर पर संगठित रहने, शिक्षा को बढ़ावा देने तथा राजनैतिक नेतृत्व को बढ़ाने का भी आह्वान किया गया।

पूजा कुमावत ने चीन में जीता कांस्य

कपासन कॉलेज की छात्रा पूजा कुमावत ने चीन में 5 अगस्त को आयोजित वर्ल्ड यूनिवर्सिटी गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व करते हुए 20 किलोमीटर पैदल चाल में कांस्य पदक जीतकर परिवार एवं समाज का नाम रोशन किया है। मोहनलाल सुखाड़िया यूनिवर्सिटी ने पूजा कुमावत को 3 लाख रुपए का नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से पूजा कुमावत को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई।

गिद्ध चित्रकला प्रतियोगिता में धनराज तृतीय रहे

2 सितम्बर, 2023 को अन्तर्राष्ट्रीय गिद्ध जागरूकता दिवस पर भारतीय जैव विविधता संरक्षण सोसायटी द्वारा आयोजित चित्रकला प्रतियोगिता में आर्यन इंटरनेशनल एकेडमी, दांता की 10वीं कक्षा के छात्र धनराज नेमीवाल पुत्र श्री सुरेश नेमीवाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में पूरे भारत से प्रतिभागियों ने भाग लिया था।

धनराज नेमीवाल को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए कामना।

आयशा ने लिखी पुस्तक The Future 2070

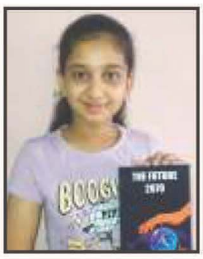

11 वर्षीया आयशा कुमावत ने अंग्रेजी भाषा में एक पुस्तक The Future 2070 लिखी है। इस पुस्तक में उन्होंने वर्ष 2070 की परिस्थितियों का आंकलन कर वर्णन किया है।

वर्ष 2070 में आर्टिफिशल इन्टेलीजेन्स (AI) अत्यन्त विकसित व उन्नत अवस्था में होगा तथा एक कमांड पर रोबोट आपके निर्देशानुसार सुनकर, समझकर तथा बोलकर आपके कार्य करके सहायता करेगा। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान पर पैदल या वाहन से नहीं जाना होगा बल्की इलेक्ट्रोनिक गजेट पर टाईपकर या बोलकर बताना होगा तथा आप कुछ ही क्षणों में ट्रांसपोण्ड हो जायेंगे, है ना मजेदार।

किन्तु आपके आसपास पर्यावरण अत्यधिक दूषित होगा। आसपास पेड़-पौधे व पशु-पक्षी नहीं होंगे, सूरज की रोशनी प्रदूषण के कारण धुंधली आयेगी। चारों ओर औद्योगिकरण के कारण धुँआ ही धुँआ होगा। घर के खिड़की दरवाजे सील्ड किये होंगे, यदि कहीं जरा भी ये अनसील्ड रहे तो घर के अन्दर प्रदूषण इतना अधिक आ जायेगा कि प्यूरिफायर भी उसे साफ करने में विफल हो जाएगा। इससे बीमार होने व मृत्यु होने का खतरा होगा। कार ड्राइव करनी हो तो ऑक्सीजन मास्क पर्याप्त मात्रा में लगाकर ही जाना होगा।

पेड़ नहीं होने से कागज कम व महंगा हो जायेगा तथा शिक्षा ग्रहण के लिए इलेक्ट्रोनिक गजेट ही लगभग एकमात्र उपाय होगा। डिजिटल बुक्स होगी तथा होमवर्क भी डिजिटल तरीके से ही मिलेगा व डिजिटली जांचा जाएगा। शायद हमें शिक्षक भी रोबोट के रूप में ही मिले।

नहाने के लिए पर्याप्त शुद्ध पानी नहीं होगा तथा लोग कैमिकल युक्त अल्ट्रा फेयर स्नान कर प्रदूषण साफ कर लेंगे। शुद्ध पानी से स्नान का आनन्द तो यदाकदा ही ले पायेंगे।

काश! हमारे पूर्वज पर्यावरण को हानि नहीं पहुँचाते तो हमें तब शुद्ध हवा व पानी मिलता। धरती माँ ने हमें वो हर चीज दी है जिससे हम आनन्ददायक जीवन जी सकें तो क्यों धरती की सुन्दरता को खराब किया गया।

लेखिका ने इस धरती माँ के पर्यावरण को बचाने के लिए प्लास्टिक का उपयोग कम करने, कचरे को सही जगह डालने, पेड़-पौधे लगाने, पेट्रोल-डीजल का उपयोग कम करके ग्रीन एनर्जी के उपयोग करने का आह्वान किया है, ताकी हम सभी एक खुशनुमा जीवन जी सके।

इस पुस्तक की लेखिका श्री सूरजमल अनावड़िया निवासी लालकोठी, जयपुर की दोहित्री हैं। छोटी से उम्र में भविष्य की परिस्थिति का आंकलन कर The future 2070 पुस्तक लिखने पर आयशा कुमावत को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

पवन कुमावत भारतीय टीम में चयनित

27 से 30 नवम्बर, 2023 तक वर्ल्ड स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप का आयोजन हैदराबाद में होगा जिसमें पवन कुमावत का सीनियर कैटेगरी 76 किलो भार वर्ग में भारतीय टीम में चयन किया गया है। इनका चयन हाल ही में उदयपुर में हुई नेशनल चैम्पियनशिप ट्रायल के आधार पर हुआ है। श्री पवन देश के लिए कई पदक पहले ही जीत चुके हैं तथा इस वर्ल्ड चैम्पियनशिप के लिए वे कड़ी मेहनत कर रहे हैं। पवन कुमावत का भारतीय टीम में चयन होने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से बधाई तथा वर्ल्ड स्ट्रेन्थ लिफ्टिंग चैम्पियनशिप में पदक जीतने के लिए शुभकामना।

जेसिका कुमावत का चयन सीएलएटी-2023 में हुआ

22 विधि विश्वविद्यालयों में बी.ए., एल.एल.बी. पाठ्यक्रम में प्रवेश हेतु संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा (सीएलएटी)-2023 में ग्राम पीपलिया कलां रायपुर मारवाड़ क्षेत्र की जेसिका कुमावत पुत्री श्री गजेन्द्र कुमावत का चयन हुआ है तथा राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय और न्यायिक अकादमी गुवाहटी में प्रवेश मिला है। जेसिका को ग्रामवासियों तथा कुमावत समाजजनों ने बधाई दी है। इनके चयन से समाज की बालिकाओं को प्रेरणा मिलेगी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से जेसिका कुमावत को चयन पर हार्दिक बधाई।

रविन्द्र मंच पर सिद्धार्थ कुमावत के निर्देशन में खेला गया नाटक बार्किंग डॉग

जयपुर के रविन्द्र मंच पर स्टूडियो थियेटर नाटक बार्किंग डॉग का मंचन हास्य से भरपूर संवादों के साथ रंग प्रीत थियेटर ग्रुप संस्था की ओर से प्रदर्शित किया गया। विशाल विजय द्वारा लिखित इस नाटक का निर्देशन सिद्धार्थ कुमावत द्वारा किया गया। इसे 45 दिवसीय नाटय कार्यशाला के दौरान तैयार किया गया था। इस नाटक में आज के परिपेक्ष्य की समस्याओं-सम्प्रेषण विफलता, महानगरों का अकेलापन और सामाजिक दूरी के कारण गौण होती पहचान को हास्यास्पद संवादों के जरिए बखूबी दिखाया गया। नाटक में अभिन्य कलाकारों ने अपने अभिन्य की छाप छोड़ी है तथा दर्शक अपनी हँसी नहीं रोक पाएं।

समय से इलाज व उचित आहार से हो सकता है टीबी का खात्मा टीमः चेतन धुंधारिया द्वारा क्षय रोगियों को वितरित किया गया पोषक आहार किट

जयपुर। टीम चेतन धुंधरिया द्वारा सवाई मानसिंह चिकित्सालय में क्षय रोगियों को पोषण आहार किट वितरित किए गए। क्षय रोग के मरीजों को रोग से संबंधित जानकारी व उपचार की जानकारी दी गई। टीम चेतन धुंधारिया द्वारा क्षय रोगियों को पोषक आहार किट नियमित अंतराल से वितरित किये जाते रहे हैं। डॉ. सुधीर शर्मा जिला क्षय रोग अधिकारी जयपुर ने बताया कि सक्रिय टीबी की बात की जाए तो इस अवस्था में टीबी का जीवाणु शरीर में सक्रिय अवस्था में रहता है। सक्रिय टीबी का मरीज दूसरे स्वस्थ व्यक्तियों को भी संक्रमित कर सकता है। इसके लिए सक्रिय टीबी के मरीजों को चाहिए कि अपने मुंह पर मास्क या कपड़ा लगाकर बात करें और मुंह पर हाथ रखकर खांसना और छींकना चाहिए।

टीम चेतन धुंधारिया के संस्थापक चेतन कुमावत ने कहा कि क्षय रोग की तेजी से पैर पसारने की मुख्य वजह गरीबी व जागरूकता की कमी है। गरीबी की वजह से क्षय रोगी पोषक तत्वों से युक्त भोजन नहीं कर पाते हैं, इससे उनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर हो जाती हैं, इसके अलावा नशे का आदी हो जाने के कारण भी प्रतिरोधक क्षमता घट जाती है और क्षय रोग के शिकार हो जाते हैं। ऐसे में क्षय रोग के मरीजों को पोषक तत्वों के सेवन पर विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि इस कार्यक्रम को भविष्य में भी निरंतर करते रहेंगे। टीम चेतन धुंधारिया के प्रवक्ता जयसिंह कुमावत ने कहा कि क्षय रोगियों को पौष्टिक आहार व गोद लेने की पहल टीम चेतन धुंधारिया की गई है। गोद लिए मरीजों को नियमित अंतराल से पोषण युक्त आहार उपलब्ध कराते रहेगें। जिससे इनके अंदर संक्रमण से लड़ने की प्रतिरोधक क्षमता बढ़े। इस रोग में अधिकांशतः भूख समाप्त हो जाती है, अतः उन्हें हर 2 घंटे के अंतराल पर खाद्य पदार्थों का सेवन करते रहना चाहिए। क्षय रोगियों को घर का बना पौष्टिक आहार जैसे पनीर, अंडा, मिश्रित दलिया, दालें, मूंगफली की बर्फी, लड्डू, बेसन के लड्डू, चिक्की, केला आंवला, पपीता, सहजन, आम, हरी व मौसमी सब्जियों का सेवन अधिक से अधिक मात्रा में करना चाहिए। जिस तरह कोविड-19 के विरूद्ध पूरे देश ने जिस एकजुटता परिचय दिया था इसी तरह 2025 तक देश को क्षय रोग मुक्त करने के लिए देना होगा।

इस अवसर पर डॉ. रविंद्र खत्री, डॉ. नरेश कुमार, जयसिंह कुमावत, संदीप कुमावत, नीतू गैदर, मीना कुमावत, राकेश सोनी, उषा कुमावत, मेघना कुमावत, कुनाल नावरिया व राहुल शर्मा मौजूद रहे।

भारतीय लोक लेखापरीक्षक संस्थान, राजस्थान चैप्टर, जयपुर द्वारा श्री ओम प्रकाश कुमावत सम्मानित

भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के संरक्षण में कंसल्टेंट के रूप में कार्यरत भारतीय लोक लेखापरीक्षक संस्थान, राजस्थान चैप्टर, जयपुर द्वारा प्रताप नगर, जयपुर निवासी श्री ओम प्रकाश कुमावत (शेखावाटी अंचल के ग्राम छापोली में जन्मे), सेवानिवृत वरिष्ठ लेखा परिक्षाधिकारी को उनके द्वारा उक्त संस्थान को प्रदत उत्कृष्ठ सेवाओं एवम् अभूतपूर्व सकारात्मक योगदान के फलस्वरूप उनके निवास स्थान पर परिजनों के समक्ष संस्थान के पदाधिकारियों द्वारा सम्मान पत्र प्रदान किया गया।

संस्थान के सचिव श्री विनोद पारीक द्वारा माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाने के साथ संस्थान को गतिमान व प्रगतिशील बनाए जाने पर श्री ओम प्रकाश कुमावत जी की भूरी भूरी प्रशंशा की व सराहनीय कार्यों के प्रति आभार प्रकट किया और कहा कि भविष्य में भी इनका सहयोग व मार्गदर्शन मिलता रहे। अध्यक्ष श्री प्रभाकर जोशी ने भी श्री कुमावत को निष्ठा एवम् सकारात्मक दृष्टिकोण के प्रति नमन कर उत्तम स्वास्थ व यशस्वी जीवन की मंगलकामना की।

श्री ओम प्रकाश, मालवीय नगर क्षत्रिय कुमावत विकास समिति के उपमंत्री, समाजसेवी एवं मीडिया सलाहकार श्री आशुतोष कुमावत जी के पिता हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार श्री ओम प्रकाश जी को बधाई के साथ खुशहाल भविष्य की कामना करता है।

बधाई संदेश

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका द्वारा प्रकाशन के छह वर्ष सफलतापूर्वक सम्पन्न करने तथा सातवें वर्ष में प्रवेश करने के उपलक्ष्य में सभी टीम सदस्यों तथा प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से पत्रिका से जुड़े सभी कार्यकारी सदस्यों और सम्पूर्ण समाज को बहुत-बहुत बधाई तथा शुभकामनाएं। आशा है कि यह पत्रिका भविष्य में भी इसी प्रकार उत्तरोत्तर विकास की दिशा में अग्रसर होती रहेगी। इसी कड़ी में 20 अगस्त को पत्रिका परिवार की ओर से वार्षिक समारोह आयोजित किया गया जिसमें 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा 6 सफलतम वर्ष पूर्ण करने पर सभी सदस्यों को बधाई संदेश प्रेषित किया गया तथा सातवें वर्ष की प्रथम पुस्तिका का विमोचन किया गया। इसके अतिरिक्त राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव श्री मुकेश वर्मा जो कि समारोह के मुख्य अतिथि भी थे, उनका सम्मान किया गया। समारोह में समाज के अनेक गणमान्य सदस्य तथा प्रबुद्धजन उपस्थित हुए।

सामाजिक पत्रिकाएं वास्तव में समाज का आईना होती हैं तथा सदैव सम्मान योग्य है। किसी भी समाज की उन्नति तथा विकास में पत्रकारिता का बहुत महत्वपूर्ण योगदान होता है। अभी हमारे समाज की मुख्यतः दो पत्रिकाएं जयपुर में प्रकाशित की जा रही हैं। उम्मीद है कि आने वाले समय में इनकी संख्या में वृद्धि होगी तथा जो 'कुमावत इंडिया' पत्रिका आज 32 पृष्ठों की प्रकाशित होती है, शीघ्र ही 50 से 60 पृष्ठों की एक मजबूत तथा सर्वाधिक लोकप्रिय पत्रिका के रूप में उभर कर समाज के सामने आएगी। पत्रिका ज्ञान का भंडार होती है। जितनी अधिक पत्रिकाएं समाज में प्रकाशित होती है उतना ही अधिक ज्ञान अर्जित करने का अवसर मिलता है। एक स्वच्छ व स्वस्थ प्रतियोगिता हो, आपसी सौहार्द्र की भावना से पुस्तकों का संचालन हो तो सामाजिक पत्रिकाएं समाज के सर्वाधिक शक्तिशाली स्तम्भ की भूमिका निभा सकती है। इसी के साथ में एक बात और कहना चाहूंगी कि टीम वर्क एक अलग बात है तथा गुटबाजी अलग चीज। किसी भी बड़े कार्य को एक टीम के बिना करना संभव नहीं है। समाज से जुड़े सभी छोटे-बड़े क्रियाकलापों को टीमवर्क द्वारा ही क्रियान्वित किया जा सकता है यह सर्वविदित है मगर जब समाज में गुटबाजी प्रारम्भ हो जाती है तो समाज का विकास वही रुक जाता है और इसमें किसी एक का नहीं बल्कि सभी का नुकसान होता है। किसी की टांग खींच कर हम हकीकत में खुद को पीछे धकेल रहे होते हैं। तो जो लोग समाज में गुटबाजी कर अव्यवस्था फैलाते हैं उनसे मेरा ये कहना है कि किसी की टांग खींचकर पीछे खिसकने से बेहतर है दूसरों का हाथ पकड़ कर आगे बढ़े। छल और कपट से कुछ लोगों को जीता जा सकता है मगर पूरे समाज का दिल नहीं जीत सकते। दूसरी ओर जो लोग समर्पित भाव से समाज को अपनी सेवाएं दे रहे हैं उनसे इतना ही कहूंगी कि आप अपनी मेहनत और शक्ति पर विश्वास रख सत्य के साथ आगे बढ़े तो विजय निश्चय ही आपकी होगी। **जुगनू के चमकने से सूरज नहीं छुपता।**

एक और बात समारोह में रखी गयी जो कि सत्यता भी है कि हमारा समाज आज भी एक पिछड़ा समाज है। मुझे बहुत दुःख होता है कि हमारे समाज के नाम के साथ पिछड़ा शब्द जोड़ा जाता है। यह शब्द तब तक जोड़ा जाता रहेगा जब तक हमारी मानसिकता से पिछड़ा शब्द दूर नहीं होगा। समाज के लोग एक दूसरे की सहायता व सहयोग करना ही नहीं चाहते। हमारे समाज में इतनी विलक्षण योग्यताएं हैं कि यदि उन्हें समुचित सहायता व माहौल मिले तो हम न केवल भारतवर्ष के कोने-कोने में, बल्कि विदेशों में भी अपनी पहचान व नाम का परचम लहरा दें। मैंने बार-बार कहा है कि समाज के जो लोग राजनैतिक, शैक्षणिक, ज्ञान-विज्ञान, खेलकूद, कला, प्रौद्योगिकी तथा अन्य क्षेत्रों में समाज का नाम रोशन कर रहे हैं, उनकी यथा संभव मदद करें। उन्हें लोकप्रियता व विकास की दिशा में आगे बढ़ने हेतु हर संभव सहयोग करें ताकि हमारा समाज इन होनहारों के प्रयासों से एक बलवान व समृद्ध समाज बन सके। इसी प्रकार राजनैतिक क्षेत्र में आगे बढ़ रहे सदस्यों को समर्पित भाव से सहयोग दें। राष्ट्रीय राजनैतिक दल विशेष के प्रति आस्था व अंधभक्ति को त्यागकर एक ऐसी रणनीति बनाएं कि सभी बड़े दलों में हमारे समाज के लोग हों ताकि फिर सरकार कोई भी हो प्रशासन में हमारे समाज का वर्चस्व हो। मेरा कहना सिर्फ यह है कि समाज को आगे बढ़ाना है तो समाज का साथ दें, समाज के ही सदस्य का समर्थन करें। पार्टियां आती-जाती रहती हैं मुद्दा यह है कि हमारे समाज के व्यक्ति सदैव राजनीति में उच्च पदों पर आसीन हों।

अब सबसे महत्वपूर्ण विषय जिस पर समारोह में बात हुई वह है **'कुमावत गाथा'**। सर्वप्रथम तो कुमावत गाथा के रूप में **कुमावत समाज के गौरवशाली इतिहास को प्रकाशित करने के लिए 'कुमावत पत्रिका' को बहुत-बहुत बधाई।** वरिष्ठ पत्रकार श्री जितेन्द्र सिंह शेखावत तथा श्री मुकेश वर्मा को इस अमूल्य निधि के सृजन में सहयोग के लिए बहुत-ब्हुत धन्यवाद। मैं पत्रिका को यह सलाह देना चाहूंगी कि कुमावत गाथा को एक पृथक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित किया जाएं। इस पुस्तक का अपना एक स्वतंत्र अस्तित्व हो। इसके साथ ही पुस्तिका का वितरण सभी राज्यों में समाज की प्रमुख संस्थाओं को किया जाएं जिससे यह देशभर में पहुंच सके तथा प्रत्येक तीन वर्ष में इसका नवीन संस्करण निकाला जाएं और न केवल समाज में निर्मित नवीन भवनों, विद्यालयों तथा इमारतों का उल्लेख उसमें सम्मिलित किया जाएं बल्कि इसके

अतिरिक्त समाज की अन्य बड़ी उपलब्धियों जिनसे समाज का नाम रोशन हो, उनका भी इसमें समावेश किया जाए। इस कड़ी में मेरा अभी एक सुझाव है कि राजस्थान में गठित 'स्थापत्य कला बोर्ड' में कुमावत समाज के श्री मुकेश वर्मा के योगदान से सभी परिचित है। श्री मुकेश वर्मा ने अपनी राजनैतिक सक्षमता से समाज को एक अतुल्य उपहार दिया है। इसके लिए समाज इनका सदैव ऋणी रहेगा। मेरा यह सुझाव है कि कुमावत गाथा में इनके योगदान का भी उल्लेख किया जाए ताकि भविष्य में सर्वविदित हो कि इस गठन की सम्पूर्ण प्रक्रिया के वास्तविक श्रेय के अधिकारी श्री मुकेश जी हैं क्योंकि पहले भी ऐसे वाकये हुए हैं जब समाज के कुछ महान सेवकों ने जी तोड़ मेहनत व कोशिशों से खून-पसीना बहाकर समाज को ऐसी अनुपम व अनमोल धरोहरें दी मगर वे लोग नींव का पत्थर बन गाथाओं से लुप्त हो गये। **चन्द छुट-पुट लोग जिनकी औकात, धेलेभर की नहीं है आज कंगूरे बन कर सिर पर आ बैठे हैं। ऐसी कहानियां पुनः नहीं दोहरायी जाएं, यही प्रयत्न हमें करने हैं।** वास्तव में यह पुस्तक हमारे इतिहास की सत्यता को प्रमाणित करने में भविष्य में सदैव एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाऐगी। यह न सिर्फ एक पुस्तक बल्कि समाज की वो बुलन्द आवाज होगी जो खुद अपनी गाथा बयां करेगी।

एक बार फिर '**कुमावत इंडिया**' परिवार को छः सफलतम वर्ष पूर्ण करने के लिए बहुत-बहुत शुभकामनाएं।

- उर्वशी बालोदिया

महाशक्ति की आराधना का पर्व : नवरात्रि

हमारे देश की संस्कृति अक्षुण्ण है क्योंकि इसके निर्माण का आधार हमारे प्राचीन ऋषि मुनियों द्वारा प्रकृति के गहन और वैज्ञानिक अध्ययन के आधार पर सोच विचार कर किया गया है। इसमें भक्ति, तप, पूजन, योग, उपासना सबका समावेश किसी न किसी रूप में अवश्य है। ये सब हमारे तन, मन, को उर्जावान, निरोगी रखने में पूरा योगदान देते हैं। इन सब आधारों पर ध्यान दें तो हमारी संस्कृति में पर्व व त्यौहार का महत्व बहुत बड़ा है। ब्रह्मा, विष्णु, महेश से त्रिदेव, सृष्टि के सृजन, संचालन व संहारक सब कार्यों के इष्ट देव हैं किंतु इस निर्माण के पीछे शक्ति का प्रतीक माने जाने वाली दैवीय शक्ति को कोई नकार नहीं सकता और नौ दिन तक इसकी उपासना का पर्व ही 'नवरात्र' के रूप में माना जाता है। इन शक्तियों को प्राप्त करने, जगाने का महत्वपूर्ण समय रात्रि ही है क्योंकि दिनभर के कोलाहल व सूर्य की किरणें दिन के समय रेडियो तरंगों को जिस प्रकार रोकती है ठीक उसी प्रकार मंत्र जाप की सूक्ष्म तरंगों को सूर्य की इन आवाज और रेडियो तरंगों को आगे बढ़ने से रोक देती है, इसीलिए हमारे सभी त्यौहार, होली, दीपावली, शिवरात्रि, नवरात्रि आदि रात में मनाए जाते हैं।

इसका एक और वैज्ञानिक आधार यह है कि वर्षभर में पृथ्वी द्वारा सूर्य की परिक्रमा के दौरान चार संधियां पड़ती हैं जिनमें मार्च व सितम्बर में दो मुख्य नवरात्र मनाए जाते हैं और इस समय ऋतु अनुसार रोग वृद्धि चरम पर होने या किटाणु सर्वाधिक होने के कारण इसमें खानपान, नियम, तप आदि का अधिक ध्यान व शक्ति अर्जन कर रोगों आदि से दूर रखने का साधन नवरात्र है।

अमावस्या की रात से अष्टमी तक या पड़वा से नवमी तक ये नौ रातें नवरात्र नाम को सार्थक करती हैं।

नवरात्र के पूरे नौ दिन तक शक्ति स्वरूपा माँ के नौ नाम के अनुसार इनका पूजन किया जाता है। मुहूर्त के अनुसार प्रथम दिन घट स्थापना करके पवित्र अनाज जौ जिन्हें स्थानीय भाषा में जुआरें बोला जाता है, उगाए जाते हैं। जयपुर में आमेर स्थित शिला माता के मंदिर (आमेर) में पूरे नौ दिन मेला लगता है तथा माता के जयकारे लगाए जाते हैं।

नवरात्र मनाने का धार्मिक कारण, दानव महिषासुर को मिला अमरत्व का वरदान था लेकिन शर्तानुसार उसका वध कोई महिला कर सकती थी लेकिन वह समझ बैठा की कोई महिला इतनी शक्तिशाली हो नहीं सकती जो उसका वध कर दे। अतः उसके अत्यधिक अत्याचारों से परेशान होकर त्रिदेव ने एक ऐसी देवी, दुर्गा को बनाने का फैसला किया और इसी दुर्गा ने 10 दिन तक इस राक्षस से लड़ाई कर अंततः इसका वध कर दिया। इस नवरात्र को मनाने के पीछे सबके अपने-अपने मंतव्य हैं किन्तु मुख्यतः यह शक्ति स्वरूपा माँ दुर्गा की प्रसन्नता व आशीर्वाद पाने का एक धार्मिक जरिया है जिसे व्रत, तप, त्याग, शील, अध्यात्म, भक्ति सभी मार्गों का समावेश करके मनाया जाता है। देवी को प्रसन्न करने हेतु करीब-करीब सभी प्रांतों में आजकल विशाल पांडाल सजाकर मां दुर्गा के दरबार में गरबा किया जाता है जो हमें व हमारी संस्कृति को आपस में जोड़े रखने का काम करता है। श्राद्ध पक्ष की समाप्ति के साथ ही नवरात्र के उत्सव शुरू हो जाते हैं। सभी पाठकों को नवरात्रि की हार्दिक शुभकामनाएं। - **भारती तोंदवाल**

राजसमंद कुमावत महिला मण्डल गठित

4 सितम्बर, 2023 राजसमंद। कुमावत समाज महिला मण्डल राजसमंद की बैठक तरुणा धनारिया जिलाध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई। ऊर्जावान, कर्मठ महिलाओं की नगर कार्यकारिणी का गठन किया गया। कार्यकारिणी में पूजा वनावड़िया को नगर अध्यक्ष, मंजू सिंघनवाल को नगर महामंत्री व रेखा धनारिया को नगर मंत्री का दायित्व सौंपा गया। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष तरुणा ने सभी नवनिर्वाचित सदस्याओं को बधाई दी।

मातृशक्ति की स्थिति और आवश्यक विचार

वर्तमान में नारी जाति का महान् तिरस्कार व घोर अपमान किया जा रहा है। नारी के महान् मातृरूप को नष्ट करके उसको मात्र भोग्या स्त्री का रूप दिया जा रहा है। भोग्या स्त्री तो वेश्या होती है। जितना आदर माता (मातृशक्ति) का है, उतना आदर स्त्री (भोग्या) का नहीं है। परंतु जो स्त्री को भोग्या मानते हैं, स्त्री के गुलाम हैं, वे भोगी पुरुष इस बात को क्या समझें? समझ ही नहीं सकते। विवाह माता बनने के लिये किया जाता है, भोग्या बनने के लिये नहीं। संतान पैदा करने के लिये ही पिता कन्यादान करता है और संतान पैदा करके (वंशवृद्धि) के लिये ही वरपक्ष, कन्यादान स्वीकार करता है। परंतु आज नारी को माँ बनने से रोका जा रहा है और उसको केवल भोग्या बनाया जा रहा है। यह नारी-जाति का कितना महान् तिरस्कार है!

नारी वास्तव में मातृशक्ति है। वह स्त्री और पुरुष—दोनों की जननी है। वह पत्नी तो केवल पुरुष की ही बनती है, पर माँ पुरुष की भी बनती है और स्त्री की भी। पुरुष अच्छा होता है तो उसकी केवल अपने ही कुल में महिमा होती है, पर स्त्री अच्छी होती है तो उसकी पीहर और ससुराल दोनों कुलों में महिमा होती है।

आजकल विवाह से पहले कन्या के स्वभाव, सहिष्णुता, आस्तिकता, धार्मिकता, कार्य-कुशलता आदि गुणों को न देखकर शारीरिक सुन्दरता को ही देखा जाता है। कन्या की परीक्षा, परिणाम की दृष्टि से न करके तात्कालिक भोग की दृष्टि से की जाती है। यह विचार नहीं करते कि अच्छा स्वभाव तो सदा साथ रहेगा, पर सुन्दरता कितने दिन तक टिकेगी।

ऐसे भोगी व्यक्ति ही नसबंदी, गर्भपात आदि महापाप करते हैं। विवाह वंशवृद्धि के लिये किया जाता है। यदि कन्या सद्गुणी व सदाचारी होगी तो विवाह के बाद उसकी सन्तान भी सद्गुणी व सदाचारी होगी; क्योंकि प्रायः माँ का ही स्वभाव सन्तान में आता है। एक मारवाड़ी कहावत है—**'नर नानाणे जाये है'** अर्थात् बालक का स्वभाव उसके ननिहाल पर जाता है। **'माँ पर पूत, पिता पर घोड़ा, बहुत नहीं तो थोड़ा-थोड़ा।'**

कन्या का दान देने में भी उसका आदर है, तिरस्कार नहीं। यह दूसरे दान की तरह नहीं है। दूसरे दान में तो दान दी हुई वस्तु पर दाता का अधिकार नहीं रहता, पर कन्या से संतान पैदा होने के बाद माता-पिता का कन्या पर अधिकार हो जाता है और वे आवश्यकता पड़ने पर उसके घर का अन्न-जल ले सकते हैं। कारण कि कन्या के पति ने केवल पितृऋण से मुक्त होने के लिये ही कन्या स्वीकार की है और उससे संतान पैदा होने पर वह पितृऋण से मुक्त हो जाता है। इसलिये गोत्र दूसरा होने पर भी दौहित्र अपने नाना-नानी का श्राद्ध-तर्पण करता है, जो कि लोक में और शास्त्रों में प्रचलित है।

हमारे शास्त्रों में नारी-जाति को बहुत आदर दिया गया है। स्त्री की रक्षा करने के उद्देश्य से शास्त्र ने उसको पिता, पति अथवा पुत्र के आश्रित रहने की आज्ञा दी है, जिससे वह जगह-जगह ठोकरें न खाती फिरे, वेश्या न बन जाय। स्त्री नौकरी करे तो यह उसका तिरस्कार है। उसकी महिमा तो घर में रहने से ही है। घर में वह महारानी है, पर घर से बाहर वह नौकरानी है। घर में तो वह एक पुरुष के अधीन रहेगी पर बाहर उसको अनेक स्त्री-पुरुषों के अधीन रहना पड़ेगा, अपने से ऊँचे पद वाले अफसरों की अधीनता, फटकार, तिरस्कार सहन करना पड़ेगा, जो कि उसके कोमल हृदय व स्वभाव के विरुद्ध है।

स्त्री बाहर का काम ठीक नहीं कर सकती और पुरुष घर का काम ठीक नहीं कर सकता। स्त्री नौकरी करती है, घर का काम करती है! पुरुष शेखी बघारते हैं कि स्त्रियाँ घर में क्या काम करती हैं, काम तो हम करते हैं, पैसा हम कमाते हैं! अगर पुरुष घर में एक दिन भी रसोई का काम करे और बच्चे को गोद में रखे तो पता लग जायगा कि स्त्रियाँ क्या काम करती हैं! अगर स्त्री का निधन हो जाए तो बच्चों को सास, नानी, बहन व बूआ के पास भेज देते हैं; क्योंकि पुरुष उनका पालन नहीं कर सकते। परंतु पति का निधन हो जाय तो स्त्री कष्ट सहकर भी बच्चों का पालन कर लेती है, उनको पढ़ा-लिखा कर योग्य बना देती है। कारण कि स्त्री मातृशक्ति है, उसमें पालन करने की योग्यता है। मैंने छोटे लड़के-लड़कियों को देखा है। लड़की को कोई चीज मिल जाय तो वह उसको जेब में रख लेती है कि अपने छोटे बहन-भाइयों को दूँगी, पर लड़के को कोई चीज मिले तो वह उसे खा लेता है। कोई साधु या दरिद्र भूखा हो तो पुरुष उसके पास से निकल जायँगे, उनके मन में उसे खिलाने का भाव आयेगा ही नहीं। परंतु स्त्रियाँ पूछ लेंगी कि बाबाजी, कुछ खाओगे क्या? कारण कि स्त्रियों के स्वभाव में दया है। उनको बच्चों का पालन-पोषण करना है, इसलिये भगवान् ने उनको ऐसा हृदय दिया है।

'माँ' शब्द कहने से जो भाव पैदा होता है, वैसा भाव 'स्त्री' कहने से नहीं पैदा होता। इसलिये श्रीशंकराचार्यजी महाराज भगवान् श्रीकृष्ण को भी 'माँ' कहकर पुकारते हैं **'मातःकृष्णाभिधाने'** (प्रबोध0 244)। उपनिषदों में **'मातृदेवो भव, पितृदेवो भव'** कहकर सबसे पहले माँ की सेवा करने की आज्ञा दी गयी है। 'वन्दे मातरम' में भी माँ की ही वन्दना की गयी है। हिन्दूधर्म में मातृशक्ति की उपासना का विशेष महत्त्व है। ईश्वरकोटि के पाँच देवताओं में भी मातृशक्ति (भगवती) का स्थान है। देवीभागवत, दुर्गासप्तशती आदि अनेक ग्रन्थ मातृशक्ति पर ही रचे गये हैं। जगत् की सम्पूर्ण स्त्रियों को मातृशक्ति का ही रूप माना गया है **शेष पृष्ठ 19 पर ...**

राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पर अमरचंद कुदीवाल (कुमावत) मनोनीत

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पर श्री अमरचंद कुदीवाल (कुमावत) समाजसेवी निवासी- एकता नगर, धाबास, जयपुर मनोनीत किए गये हैं।

कोरोना की विभीषिका को देखकर इन्होंने मानव सेवा का संकल्प लिया तथा मानव जन कल्याण सेवा संस्थान के संस्थापक बने। इन्होंने मानव सेवा के अतिरिक्त पिछले वर्ष प्रतिभावान छात्र-छात्राओं एवं अन्य प्रतिभाओं सहित कुल 436 प्रतिभाओं को सम्मानित किया तथा सर्वसमाज नि:शुल्क विवाह सम्मेलन आयोजित कर 9 जोड़ों का विवाह भी सम्पन्न कराया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री अमरचंद कुदीवाल के राजस्थान प्रदेश अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई।

संजीव वर्मा प्रदेश युवा अध्यक्ष

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राजस्थान प्रदेश युवा अध्यक्ष पर श्री संजीव वर्मा समाजसेवी जयपुर मनोनीत किए गये हैं। श्री वर्मा लम्बे समय से सामाजिक कार्यों में अग्रणी रहे हैं। इनके द्वारा स्थापित लोट्स इण्डिया फाउण्डेशन में इन्होंने ब्लड डोनेशन कैम्प आयोजित किए हैं। महिला एवं बच्चों के वेलफेयर के लिए तथा पर्यावरण के क्षेत्र में कार्य कर रहे हैं। आप अभी प्रदेश बीजेपी मॉनिटरिंग कमेटी के सदस्य हैं तथा सल्यूट तिरंगा के राजस्थान प्रदेश उपाध्यक्ष हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री संजीव वर्मा के राजस्थान प्रदेश युवा अध्यक्ष पद पर मनोनीत होने पर हार्दिक बधाई।

श्रीमती भारती वर्मा (तोंदवाल) महिला प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) द्वारा श्रीमती भारती वर्मा (तोंदवाल) को राजस्थान महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष मनोनीत किया गया है। श्रीमती भारती तोंदवाल एक प्रखर सामाजिक कार्यकर्ता हैं तथा उद्घोषक के रूप में अनेक सामाजिक कार्यक्रमों में अपनी अमिट छाप छोड़ी है। ये कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति मालवीय नगर, जयपुर की उपाध्यक्ष तथा मासिक पत्रिका 'कुमावत इंडिया' की सचिव हैं। इनके प्रगतिशील लेख 'कुमावत इंडिया' पत्रिका में अक्सर प्रकाशित होते हैं। इसके अलावा ये अनेक संस्थाओं में पदाधिकारी हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्रीमती भारती तोंदवाल को सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा की प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत होने पर **हार्दिक बधाई**। आशा है कि इससे समाज की महिलाओं को नई दिशा मिलेगी व समाज की महिलाएं उत्तरोत्तर प्रगति की ओर अग्रसर होंगी।

श्री अकिंचन जी द्वारा 886वीं श्रीमद्भागवत कथा की गई

हरीनाम संकीर्तन परिवार के तत्वावधान में श्रीमद्भागवत कथा का 886वाँ आयोजन 8-14 सितम्बर, 2023 श्रद्धेय संत श्री मुरली मनोहर 'अकिंचन' की रसमयी वाणी में जेएलएन मार्ग जयपुर पर सम्पन्न किया गया। इस आयोजन को समस्त गर्ग परिवार द्वारा कराया गया था।

श्रद्धेय संत श्री अकिंचन जी द्वारा श्रीमद्भागवत के अतिरिक्त राम कथा, हनुमत चरित्र कथा, भरत चरित्र कथा तथा नानीबाई का मायरा कथा की जाती है। अनेक प्रसिद्ध धार्मिक स्थलों पर भी इनके द्वारा कथा की गई है जिसमें सैकड़ों की संख्या में जयपुर व आसपास के जिलों, दिल्ली तथा आगरा से इनके अनुयायियों ने भाग लेकर के कथा रस श्रवण का आनन्द लिया है।

आदरणीय मुरली मनोहर जी अकिंचन जी ने लगातार 108 से अधिक भागवत कथाओं में कथा रस से भक्तों को भावविभोर किया है, ऐसा दुर्लभ दृष्टान्त कम ही मिलते हैं।

श्री ललित तूनवाल

श्री नन्दकिशोर तूनवाल एडवोकेट के यहां 10 जुलाई 1968 को जयपुर में घर के चिराग ने जन्म लिया, उसका नाम रखा गया **ललित**। बचपन से ही श्री ललित प्रतिभा के धनी एवं शांत स्वभाव के रहे हैं। आपने सिविल इंजीनियरिंग (B.E.) कोटा से की। आपका विवाह यशोदा रानी से हुआ। आपके परिवार ने शिक्षा को सदैव महत्व दिया तथा पूरा परिवार उच्च शिक्षित है। आपके दो पुत्र एक पुत्री है, एक पुत्र विपिन तूनवाल एडवोकेट तथा दूसरा पुत्र B.Tech (Final Year) में अध्ययनरत है। आपकी पुत्री डॉ. नेहा ने BDS, MS किया है। आपके दादाजी श्री हजारी लाल जी राजस्थान आवासन मण्डल व सार्वजनिक निर्माण विभाग में AA Class कान्ट्रेक्टर रहे। वे राजस्थान पत्रिका के संस्थापक स्व. श्री कपूर चंद कुलिश के मित्र रहे तथा खण्डेला से एक न्यूज पेपर भी निकालते थे।

श्री ललित तूनवाल का मन यह देखकर दु:खी होता था कि अपने लोग राजनीति क्षेत्र में न के बराबर हैं तथा इन्होंने राजनीति में जाने का निश्चय किया। ये यूथ कांग्रेस के प्रदेश उपाध्यक्ष, कांग्रेस ओबीसी प्रदेश संयोजक, NSUI संगठन महासचिव तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस के सचिव (मुख्यालय) जैसे महत्वपूर्ण पदों पर रहे हैं। आप ऑल इण्डिया कांग्रेस कमेटी (AICC) के सदस्य हैं तथा राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन महासचिव हैं। आपको जो भी जिम्मेदारी दी गई उसे बखूबी निभाया है। अभी आप चौमूं विधानसभा क्षेत्र में सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका ने श्री ललित तूनवाल, राजस्थान कांग्रेस संगठन महासचिव से अध्यक्ष रमेश गैदर, उपाध्यक्ष रामप्रकाश मारोठिया एडवोकेट तथा रमेश तूनवाल ने भेंट कर उनका माल्यार्पण कर सम्मान किया। उनसे विभिन्न विषयों पर चर्चा कर उनसे मार्गदर्शन लिया।

शांत एवं मृदु स्वभाव के धनी **श्री ललित तूनवाल** के उज्ज्वल भविष्य के लिए **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक शुभकामना।

श्रीमती भारती तोंदवाल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर
की प्रथम महिला **अध्यक्ष** निर्वाचित तथा
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की
प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत

हार्दिक बधाई

CMT ARTS INDIA PVT LTD.

MANUFACTURER, EXPORTER, IMPORTER & WHOLESALER OF
All kind of : HANDICRAFT, GIFT AND SOUVENIR

Since 1976

Speciality :
1. Cedar Wood/ Kadamba wood with fine carving and half antique.
2. Sandalwood artifacts 3. Brass metal with turquoise work and Antique finish
4. Marble with painted & embossed art 5. Cultured marble 6. Soft stone 7. Miniature Art

Managing Director
C.M. Kumawat
98290-56063

Director
Mukesh Kumawat
93146-07695

Director
Lokesh Kumawat
97837-83123

Email: cmtartsindia@gmail.com
Website : www.sandalwood.cn.com

Showroom :
"Sai-Villa", Plot No. 39, Mission Compound,
C-Scheme, Near Ajmer Puliya (Bridge)
Jaipur 302 001 (Raj.) Tel: +91-141-4041561

Residence :
F-31/A, Lal Bhadhur Nagar (W),
S.L. Marg, Main Road, Durgapura,
Tonk Road, Jaipur - 302018 (Raj.)

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर के चुनाव में निर्वाचित होने पर

श्रीमती भारती तोंदवाल
अध्यक्ष

श्री गौरव अजमेरा
मंत्री

श्री सुरेन्द्र बाबु घोड़ीवाल
कोषाध्यक्ष

हार्दिक बधाई

लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल
कोषाध्यक्ष
मो. : 9414 554322

शुभेच्छु

रमेश गैदर
अध्यक्ष
मो. : 9414 554322

कुमावत प्रगति ट्रस्ट एवं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका

श्रीमती भारती तोंदवाल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर
की प्रथम महिला **अध्यक्ष** निर्वाचित तथा
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की
प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

श्रीमती विद्या-स्व. भवानी शंकर तोंदवाल (सास-ससुर) रमेश तोंदवाल (पति),
श्रीमती कृति-आभास एवं श्रीमती रेणुका-अभिनंदन (पुत्रवधू-पुत्र)
एवं समस्त तोंदवाल परिवार

60, जय जवान कॉलोनी-द्वितीय, टोंक रोड, जयपुर मो. 94608 70125

श्री ललित कुमावत (जालवाल)

श्री प्रेमचन्द कुमावत (जालवाल) सहायक अभियंता RSEB के घर में 31 दिसम्बर, 1987 एक पुत्र रत्न ने जन्म लिया, जिसे नाम दिया गया ललित कुमावत। इनकी शिक्षा जयपुर में हुई, आप फिजियोथेरेपी में स्नातक हैं। इनकी रुचि समाजसेवा, व्यापार तथा राजनीति में जाने की रही है। शिक्षा समाप्ति के बाद NGO तथा समाजसेवा से जुड़कर कार्य किया। आपके होटल तथा माइनिंग का व्यवसाय है। खेल के क्षेत्र में आप जिला स्तरीय टेनिस खिलाड़ी रहे हैं। राजनीति में आप श्री मुकेश वर्मा से प्रेरित हैं। वर्तमान में आप कांग्रेस ओबीसी विभाग के प्रदेश उपाध्यक्ष तथा मेवाड़ क्षेत्र प्रभारी हैं। आपने राजसमंद विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस से टिकिट की दावेदारी की है। आप राजसमंद में पिछले 4 वर्षों से जनता के कार्य कराते रहे हैं। आपके सम्पर्क राजनैतिक तथा प्रशासनिक क्षेत्र के प्रभावशाली लोगों से हैं। मिलनसारिता व मृदु व्यवहार आपके चरित्र की विशेषता है।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से श्री ललित कुमावत (जालवाल) को हार्दिक शुभकामना।

ओमप्रकाश कुमावत का जयपुर आगमन पर स्वागत

18 सितम्बर को श्री ओमप्रकाश कुमावत (सूरत वाले) उपाध्यक्ष, कुमावत क्षत्रिय महासभा रजिस्टर्ड व गुजरात कांग्रेस के नेता का जयपुर आगमन हुआ। श्री चेतन कुमावत जिला अध्यक्ष ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका द्वारा साफा व माला पहना कर तथा दुपट्टा ओढाकर उनका स्वागत किया गया। इस अवसर पर अध्यक्ष रमेश गैदर, सचिव भारती तोंदवाल, ट्रस्टी चेतन बालोदिया, सम्पादक रामप्रकाश मारवाल, सह सम्पादक जयसिंह गुड़ीवाल, खेमचंद खडगटा उप कोषाध्याक्ष, शशिकला बालोदिया, रमेश तोंदवाल, उषा कुमावत, संदीप कुमावत तथा भगवान सहाय कुमावत उपस्थित रहे।

श्रीमती भारती तोंदवाल
कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर
की प्रथम महिला अध्यक्ष निर्वाचित तथा
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की
प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत
हार्दिक बधाई

Raj Blocks
Since-1977
OFFSET PRINTERS
A COMPLETE PRINTING SOLUTION
Mob: 9829059312, 9829436551
E-mail: rajprintlinejpr@gmail.com
rajblocks@yahoo.com
• Books • Magazine • Brochures • Catalogue • Flex, Vinayle • Envelops • Letter Head
• Event Tickets • Certificates • Invitation Card • Menu Card • Poster • Calender
• Packazing Box • UV & Leaf with Special Effects
B-81, Road No.4, Kartarpura Ind. Area, 22 Godown, Jaipur
Ph.: 0141-4022538 Mob: 9414052736 • 9928910068

मातृशक्ति की

पृष्ठ 14 से आगे ...

'विद्याः समस्तास्तव देवि भेदाः
स्त्रियः समस्ताः सकला जगत्सु।'

(दुर्गासप्तशती 11।6)

परंतु भोगी लोग मातृशक्ति को क्या समझें? समझ ही नहीं सकते। वे तो उसको भोग्या ही समझते हैं।

शास्त्रों में स्त्रियों को पुनर्विवाह न करके विधवा धर्म का पालन करने के लिये कहा है तो यह उनका आदर है, तिरस्कार नहीं। धर्म-पालन के लिये कष्ट सहना तिरस्कार नहीं है, प्रत्युत तितिक्षा, तपस्या है। तितिक्षु, तपस्वी व्यक्ति का समाज में बड़ा आदर होता है। पुरुष स्त्री का तिरस्कार करे, उसको दुःख दे, उसको तलाक दे, उसको मारे-पीटे ऐसा शास्त्रों में कहीं नहीं कहा गया है। इतना ही नहीं, स्त्री से कोई बड़ा अपराध भी हो जाय, तो भी उसको मारने-पीटने का विधान नहीं है।

संसार के हित के लिये मातृशक्ति ने बहुत काम किया है। रक्तबीज आदि राक्षसों का संहार भी मातृशक्ति ने ही किया है। मातृशक्ति ने ही हमारी हिन्दू-संस्कृति की रक्षा की है।

वर्तमान में संतति-निरोध के कृत्रिम उपायों के प्रचार-प्रसार से स्त्रियों में लज्जा, शील, सतीत्व, सच्चरित्रता, सदाचरण आदि का नाश हो रहा है। परिणामस्वरूप स्त्री-जाति केवल भोग्य वस्तु बनती जा रही है। यदि स्त्री-जाति का चरित्र भ्रष्ट हो जायगा तो देश की क्या दशा होगी? आगे आने वाली पीढ़ी अपने प्रथम गुरु 'माँ' से क्या शिक्षा लेगी? स्त्री बिगड़ेगी तो उससे पैदा होने वाले बेटी-बेटा (स्त्री-पुरुष) दोनों बिगड़ेंगे। अगर स्त्री ठीक रहेगी तो पुरुष के बिगड़ने पर भी संतान नहीं बिगड़ेगी। अतः स्त्रियों के चरित्र, शील, लज्जा आदि की रक्षा करना और उनको अपमानित, तिरस्कृत न होने देना मनुष्य मात्र का कर्तव्य है।

- मेघना कुमावत,
उपाध्यक्ष, भाजपा महिला मोर्चा, सिविल लाइंस, जयपुर।

स्थायी पता

हमारे संयुक्त परिवार के घर में 5 से 95 वर्ष की आयु के 14 लोग रहते थे।

आज, मैं दोनों घरों को छोड़ देता हूं और प्रकृति को बगीचे में ले जाती है, मेरी मां हर दिन घंटों तक चलती थी। जामुन, ड्रमस्टिक, कुछ अशोक, नीम और पीपल बच गए हैं, लेकिन सभी सौंदर्य क्षणिक और नाजुक दोनों हैं, और एन्ट्रापी का नियम शक्तिशाली है। असंख्य रंगों के प्यारे फूल सभी चले गए हैं। मुझे आश्चर्य है कि मोर परिवार का क्या हुआ जो हर दिन आया और मेरे माताओं के हाथ से खाया। बुलबुल, गौरैया, तोते, चित्तीदार फ्लाईकैचर, कोयल, बंदरों की एक विशाल टुकड़ी जो एक महीने में एक बार जगह के क्रम को परेशान करेगी।

एक बार लोगों के जाने के बाद, एक घर एक घर बन जाता है। प्रारंभ में, मुझे बेचने का मन नहीं था, और अब मुझे जाने का मन नहीं है। समय ने अपने चौदह में से दस को छीन लिया है।

मैं अपने आस-पड़ोस में घूमता हूं और जीवन से भरे एक बार इतने सारे घरों के समान भाग्य को देखता हूं जो अब भी बदल गए हैं या झूठ बोल रहे हैं।

हम घर बनाने के लिए क्यों खिंचाव और तनाव करते हैं? ज्यादातर मामलों में, हमारे बच्चों को इसकी आवश्यकता नहीं है या इससे भी बदतर, इस पर लड़ें।

एक मकान मालिक द्वारा दिए गए अनिश्चित कार्यकाल के साथ पट्टे पर जीवन में स्थायी स्वामित्व का प्रयास करने का यह मानवीय मूर्खता क्या है जिसकी शर्तें गैर-परक्राम्य हैं और अपील की कोई अदालत नहीं है।

एक दिन, हम सभी ने प्यार और ईएमआई के साथ निर्माण किया है या तो ध्वस्त हो जाएगा, लड़ेगा, बेचा जाएगा, या खंडहर में झूठ होगा।

हर बार मैं एक फॉर्म भरता हूं जो 'स्थायी पता' के लिए पूछता है, मैं मानव मूर्खता पर मुस्कुराता हूं।

एक ज़ेन कहानी है कि एक बूढ़ा भिक्षु किंग्स महल में चला गया और उसने मांग की कि वह इस इन में रात बिताना चाहता है और गार्ड ने उसे बताया, 'व्हाट इन, आप इस पैलेस में क्या देखना चाहते हैं'। भिक्षु ने कहा 'मैं कुछ दशक पहले यहां आया था। कोई वहीं रह रहा था। कुछ साल बाद, किसी और ने उससे सिंहासन लिया, फिर किसी और ने। कोई भी स्थान जहाँ रहने वाला बदलता रहता है वह एक सराय है।'

जॉर्ज कार्लिन कहते हैं 'घर सिर्फ एक जगह है जहाँ आप अपना सामान रखते हैं क्योंकि आप बाहर जाते हैं और अधिक सामान प्राप्त करते हैं।'

जैसे-जैसे घर बड़े होते जाते हैं, परिवार छोटे होते जाते हैं। जब घर में रहने वाले होते हैं, तो हम गोपनीयता की इच्छा करते हैं, और जब घोंसला खाली हो जाता है, तो हम कंपनी के लिए तरसते हैं।

पक्षियों और जानवरों को हम पर हँसना चाहिए, जो अपने सपनों का घर बनाने के लिए जीवित रहना छोड़ देते हैं और अंत में, इन को एक स्थायी निवास के रूप में छोड़ देते हैं।

मानव इच्छा की असली मूर्खता!

(जावेद अख्तर द्वारा लिखित जीवन वृतान्त)

-संकलन : **अरुणा कुमावत,** बनीपार्क, जयपुर।

बोध कथा

'तुम्ह सन सहज सनेह'

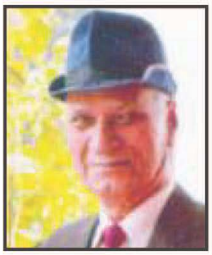

एक बाबाजी की गोपियों से बातचीत चली। वे बाबाजी बात करते-करते कहने लगे कि कृष्ण इतने ऐश्वर्यशाली हैं, उनका इतना माधुर्य है, उनके पास ऐश्वर्य का इतना खजाना है आदि आदि। तो गोपियां लगीं—'महाराज! उस खजाने की चाबी तो हमारे पास है। कन्हैया के पास क्या है? उसके पास तो कुछ नहीं है। कोई उससे मांगेगा तो वह कहां से देगा? इसलिये किसी को कुछ चाहिये तो वह कन्हैया के पास न जाये। कन्हैया के पास, उसकी शरण में तो वही जाये, जिसको कभी कुछ नहीं चाहिये। किसी भी अवस्था में कुछ भी चाहने का भाव न हो अर्थात् विपत्ति, मौत आदि की अवस्था में भी **'मेरी थोड़ी सहायता कर दो, रक्षा कर दो'** ऐसा भाव भी नहीं हो।

भगवान् श्रीराम से महर्षि वाल्मीकि कहते हैं—

जाहि न चाहिअ कबहुँ कछु तुम्ह सन सहज सनेहू।
बसहु निरन्तर तासु मन सो राउर निज गेहु।।

(रा.च.मा. 2/131)

कुछ भी चाहने का भाव न होने से भगवान् स्वाभाविक ही प्यारे लगते हैं, मीठे लगते हैं—**'तुम्ह सन सहज सनेहु'**। जिसमें चाह नहीं है, वह भगवान का खास घर है—**'सो राउर निज गेहु'**।

यदि चाहना भी साथ में रखें और भगवान को भी साथ में रखें तो वह भगवान् का खास घर नहीं है। भगवान के साथ 'सहज' स्नेह हो, स्नेह में कोई मिलावट न हो, अर्थात् कुछ भी चाहना न हो। जहाँ कुछ भी चाहना हो जाए, वहां प्रेम कैसा? वहाँ तो आसक्ति, वासना, मोह, ममता ही होते हैं।

प्रो. बालकृष्ण कुमावत, उज्जैन

बरकत नगर टोंक फाटक, जयपुर में निर्वाचित उम्मीदवार

कुमावत क्षत्रिय विकास समिति, बरकत नगर टोंक फाटक जयपुर के द्विवार्षिक चुनाव सम्पन्न हुए। नरेन्द्र गुड़ीवाल (अध्यक्ष), ईश्वर लाल लोठ्या (उपाध्यक्ष), नीतू गैदर (उपाध्यक्ष महिला), महेन्द्र राजोरिया (मंत्री), सत्यनारायण बावला (उपमंत्री), सतीश जलान्धरा (कोषाध्यक्ष), बोदीलाल गुड़ीवाल (संगठन मंत्री), ओम प्रकाश नेहरा (प्रचार मंत्री), श्रीमती तोषिका तोंदवाल (सांस्कृतिक मंत्री) तथा कार्यकारिणी सदस्यों में रूडमल राजोरिया, नटवर लाल बालोदिया, शेखर देवतवाल, प्रहलाद दास सोकल, श्रीमती माधुरी ब्याड़वाल एवं श्रीमती रेणु, मारवाल निर्वाचित हुए। श्री बाबूलाल ब्याड़वाल को संरक्षक बनाया गया है। निर्वाचित उम्मीदवारों को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से बधाई।

रिंकू कुमावत ने तीन मिमी. का अशोक स्तम्भ व गणेश जी की मूर्ति बनाई

रिंकू कुमावत जगतपुरा, जयपुर निवासी ने जेम्स स्टोन ब्लैक ऑनेक्स पर तीन मिलीमीटर लम्बाई, दो मिलीमीटर चौड़ाई व ढाई कैरेट वजन का अशोक स्तम्भ बनाया है जो विश्व की सबसे छोटी मूर्ति है। इसे बनाने में इन्हें साढ़े पांच घंटे का समय लगा। इन्होंने 3 मिमी. की गणेश प्रतिमा भी बनाई है। ये प्रतिमाएं विश्व की सबसे छोटी प्रतिमा मानी जा रही है। इसे बनाने में उन्होंने किसी मशीन का उपयोग नहीं किया है। ये अपनी कला को लोगों तक पहुंचाना चाहते हैं। इस सूक्ष्म व जटिल कला के चंद आर्टिसट ही हैं।

माँ से शिकायत

मेरी माँ मेरी प्यारी माँ....
मेरे हर पल आँसू पूछती थी,
आज क्यू फिर रुला गयी।
तपती धूप से बचाती थी,
आज क्यू पेर जला गयी।।
मेरी माँ मेरी प्यारी माँ...

क्यू आज तुझे मुझ पर दया न आयी,
क्यू आज तू मुझसे हो गयी परायी।
मैं तो तेरी धड़कन से जीता था माँ,
फिर तू मेरे लिये क्यू जी नहीं पायी।।
मेरी माँ मेरी प्यारी माँ...

तू तो सह लेती थी दर्द मेरा,
मै तेरा दर्द सह नहीं पाऊँगा।
देख माँ देख मै रो रहा हू,
अब तो मै किसी से कुछ कह नहीं पाऊँगा।।
मेरी माँ मेरी प्यारी माँ...

तू ओझल होती थी नजरों से तो,
मेरा रोना सुनकर तू आ जाती थी।
कहती थी हर पल पास हू तेरे,
दे दिल को दिलासा समझाती थी।ह
मेरी माँ मेरी प्यारी माँ...

आजा माँ, दे दिल को दिलासा,
आँखे नम है मन में है आशा।
आ जाना माँ दर्द सहा नहीं जाता,
तुझ बिन माँ अब रहा नहीं जाता।।
मेरी माँ मेरी प्यारी माँ...

बस यही शिकायत है तुझसे माँ,
आज नींद मुझे क्यू नहीं आ रहीं।
देख आँख से आँसू भी न रुकते,
और मुझको तू भी नहीं सुला रही।।
मेरी माँ मेरी प्यारी माँ...

-पृथ्वी राज धमुनिया 'धरती'

संस्कार :श्रेष्ठ समाज की पहचान

(कुमावत विज़न 2030)

संस्कारों से समाज में बदलाव होता है
हर युग में फिर वो महान होता है।
मनुष्य की धरोहर संस्कार होते हैं
हर अग्रणी समाज के ये आधार होते हैं।।

संस्कार शब्द का मूल अर्थ है, 'शुद्धीकरण'। प्राचीन भारत से ही संस्कारों का मनुष्य के जीवन में विशेष महत्व रहा है। संस्कारों के द्वारा मनुष्य अपनी सहज प्रवृतियों का पूर्ण विकास करके अपना और समाज दोनों का कल्याण करता है।

व्यवहारिक दृष्टि से संस्कार का अर्थ इस उदाहरण से भी समझा जा सकता है ,जैसे कि केला खा कर छिलका फेंक देना एक साधारण कृति (कार्य) है, केला खा कर छिलका कूड़ेदान में फेंक देना प्रकृति है, केला खा कर छिलका सड़क पर फेंक देना विकृति है और दुसरे व्यक्ति द्वारा केला खा कर सड़क पर फेंका गया छिलका उठा कर कूड़ेदान में डालना **संस्कार** है।

किसी भी समाज का विकास उसकी शिक्षा, संस्कार और रोजगार पर निर्भर करता है। संस्कार की नींव बचपन से ही डाली जाती है। ताकि वो बीज वृक्ष बन कर संस्कारों की हरी भरी छाया से पूरे विश्व को सुशोभित करें।

हमारा व्यवहार व आचरण ही बाह्य समाज में हमारी पहचान होता है। किसी समाज के विकास के लिए और उसे देश का अग्रणी समाज बनाने के लिए आवश्यक है कि उस समाज के प्रत्येक सदस्य में कुछ मूलभूत गुण हो जो उन्हें भीड़ से अलग एक विशिष्ट पहचान दे। आपने सोचा है कई बार किसी व्यक्ति की विनम्रता और सज्जनता हमें प्रभावित कर जाती है तो वहीं दूसरी ओर किसी व्यक्ति का अक्खड़पन और मुँहजोरी ये पूछने पर विवश कर देती है कि ये कौन से असभ्य समाज से संबन्ध रखते हैं। कहने का तात्पर्य सिर्फ इतना भर है कि हमारे संस्कार, हमारी सामूहिक पहचान को भी व्यक्त करते हैं।

जब हम **कुमावत विजन-2030** की बात करते हैं, अपने समाज को देश का अग्रणी समाज बनाने का सपना देखते हैं तो आवश्यक है कि हम अपनी पहचान पर भी काम करें। इसी दिशा में आगे बढ़ते हुए हमें अपने सामाजिक आचरण, व्यवहार और मूल्यों पर निम्न बिंदुओं पर कार्य करना चाहिए :

■ व्यक्तित्व का सबसे प्रथम दर्पण उसकी भाषा है । भाषा मारवाड़ी हो या हिन्दी हमें प्रयत्न करना चाहिए कि हम अशिष्ट व अपशब्दों का प्रयोग कम से कम या बिल्कुल नहीं करे। साथ ही भाषा में एक मिठास व सौम्यता का प्रयोग करें। जैसे 'जी' शब्द का प्रयोग अधिकाधिक करने से अपने आप भाषा का स्तर उच्च हो जाता है। तीन गोल्डन शब्द 'सॉरी' , 'प्लीज' और 'थैंक यू' का प्रभाव तो सर्वविदित है ही। इनको अपने व्यवहार में लाने का हम सभी को प्रयत्न करना चाहिए।

■ विनम्रता, धैर्य और संयम ये तीनों ऐसे गुण है जो मनुष्य को सामान्य की श्रेणी से उठाकर 'सज्जन पुरुष' बना देते हैं। मान लीजिए आप विवाह समारोह में है और स्टॉल पर बहुत भीड़ है। ऐसे में यदि प्रत्येक व्यक्ति धैर्य और संयम से काम लें और एक लाईन बना अपनी बारी का इंतजार करें तो गिद्ध भोज सा लगने वाला समारोह अत्यंत शालीन समारोह में बदल जाएगा।

■ विनम्रता महान पुरुषों का आभूषण होती है। व्यक्ति जितना नम्र होकर झुकता है, उतना ही ऊँचा उठता है। कहा भी गया है :

नर की अरु नल-नीर की, गति एकै करि जोड़।
जेतौ नीचो है चले, तेतौ ऊँचौ होइ ॥

■ मेहमानवाजी या व्यवहार कुशलता ये एक ऐसे गुण हैं जो साधारण से रिश्ते को भी सोने सा चमका देते हैं। मुझे एक वाक़या याद आता है जब मैं रुक्मिणी बिरला माडर्न हाई स्कूल में कार्यरत थी तब एक समारोह में स्वयं श्रीमती सरला बिरला जी कोलकाता से जयपुर पधारी थी। तब बिरला हाऊस में आयोजित लंच में उन्होंने स्वयं एक-एक अध्यापिका के पास जाकर अपने हाथों से भोजन परोसा था। इतनी बड़ी हस्ती की इस मेहमान नवाजी की छाप आज भी मेरे हृदय पर अंकित है। अत: हमें प्रयास करना चाहिए कि हम इस अपनेपन की छाप हमसे मिलने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर कुछ यूं छोड़ दें कि वो सिर्फ हमारी ही नहीं हमारे समाज की भी सब जगह प्रशंसा करें।

■ ईर्ष्या, द्वेष, आपसी जलन, अहंकार और अस्वस्थ प्रतिस्पर्धा ऐसे अवगुण है जो हमारे संस्कारों की चमकीली चुनरी में मैले दाग से दिखते हैं।

अहंकार और संस्कार में यही फर्क़ होता है :

अहंकार दूसरों को झुका कर खुश होता है।
और संस्कार स्वयं झुक कर खुश होता है ।।

हम सब का एक ही साझा सपना होना चाहिए, **कुमावत समाज का विकास**। यदि हम अपने ही कुमावत बंधु को पैर खिंच नीचे गिराने का प्रयत्न करेंगे या उसे सीढ़ी बना आगे बढ़ेंगे तो समाज का विकास कैसे होगा? मोदी जी के नारे **'सबका साथ, सबका विकास'** का हमें भी अनुसरण करना चाहिए। **हमें किसी की बढ़ती हुई रेखा को मिटा कर अपनी रेखा नहीं खींचनी है। बल्कि उसी रेखा के समांतर अपनी नयी रेखा बनानी है ताकि दोनों का विकास हो सकें। तभी तो एक और एक ग्यारह बन पाएंगे।**

अंत में मेरा यहीं कहना है कि देश के अग्रणी समाज के स्वप्न को साकार करने के लिए हमें अपने संस्कारों को भी मजबूती देनी होगी क्योंकि-

होते हैं संस्कार वृक्ष की मानो शीतल ठण्डी छांव।
जहाँ पहुंच कर मिलती हमको सच्चे सुख की सुन्दर ठांव।।

- डॉ प्रिया मारवाल वर्मा, असिस्टेन्ट प्रोफेसर

जयसिंह गुडीवाल, सह-संपादक की कलम से ...

सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों में महिलाओं की भागीदारी ?

कुमावत समाज एक अनुशासित व जागरूक समाज है। महापंचायत के दौरान यह देखने को भी मिला। अनुशासित ढंग से महापंचायत सफल हुई। जिसकी सभी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की। समाज द्वारा एक से बढकर एक सामाजिक और श्रेष्ठ कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इसके लिए समाज बधाई का पात्र है।

समाज के विकास में महिलाओं की समान भागीदारी की आवश्यकता को एक लंबे अरसे से महसूस किया जाता रहा है। समानता का आधार सामाजिक संस्थाओं में प्रतिनिधित्वज का हो, आर्थिक हो या सामाजिक। गहराई से देखने पर ही इस बात को समझा जा सकता है कि समाज को समृद्ध बनाने के लिए महिलाओं को तीनों ही स्तरों पर भेदभाव से मुक्त करने की आवश्क ाता है। सामाजिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित होनी चाहिए। सामाजिक संस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के पीछे सोच यह नहीं है कि उनकी मौजूदगी बढ़े बल्कि यह है कि सामाजिक विमर्श में उनकी भागीदारी हो जिससे अवसरवादिता, लैंगिक भेदभाव और अति पुरूषवादी भावना में कमी आ सके। अक्सोर देखा जाता है कि महिलाओं को सामाजिक संस्था ओं में भागीदारी केवल नाममात्र की दी जाती है। जब भी महिलाओं की समानता की बात करते हैं तो यह भूल जाते हैं कि किसी भी वर्ग में समानता के लिये सबसे पहले अवसरों की समानता का होना बेहद ज़रूरी है।

बड़ा तथ्य एवं सच है कि सामाजिक संस्था ओं में प्रतिनिधित्व की कसौटी पर अगर महिलाऐं पीछे रह गई तो बाकी सभी क्षेत्रों में उसकी उपस्थिति पर इसका सीधा असर पड़ता है। क्यों नहीं सामाजिक संस्थाकयें महिलाओं को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देने की पहल करती। समाज में महिला कार्यकर्ताओं की भरमार है, सामाजिक संस्थानओं के चुनाव में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह करती है, परंतु उन्हें उचित प्रतिनिधित्वि नहीं दिया जाता है और उन्हे हाशिये पर रखा जाता है। हालांकि, सामाजिक संस्थोओं में महिलाओं के इस कमतर प्रतिनिधित्व के लिए और भी कई कारण जिम्मेदार है जैसे सदियों से चली आ रही लिंग संबंधी रूढ़ियाँ, पारिवारिक जिम्मेदारियां, पुरुषवादी मानसिकता, वित्तीय तनाव, संसाधनों की कमी आदि। परंतु दो सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक जो सामाजिक संस्थाओं में महिलाओं की सहभागिता में बाधक है वो है समाज के भीतर महिलाओं में शिक्षा की कमी व जागरूकता।

सामाजिक ज्ञान की कमी के कारण, महिलायें अपनी बुनियादी और सामाजिक अधिकारों से बेखबर है। जरूरत है महिलाएं अपनी सोच को बदले। उन्हें स्वयं को हिम्मत करनी होगी साथ ही समाज एवं सामाजिक संस्था ओं को भी अपनी हठधर्मिता/पूर्वाग्रह छोड़ने के लिये तैयार करना होगा। इससे न केवल महिलाओं का बल्कि पूरे समाज का संतुलित विकास सुनिश्चित किया जा सकेगा।

जाहिर सी बात है कि जिस दौर में हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए आवाज उठ रही है, सरकारों की ओर से कई तरह के विशेष उपाय अपनाए जा रहे हैं, नीतियों व योजनाओं पर काम हो रहा है, ऐसे समय में सामाजिक संस्थाएओं में महिलाओं की इस स्तर तक कम नुमाइंदगी निश्चित रूप से सबके लिए चिंता की बात होनी चाहिए।

सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्हें स्वयं आगे आना होगा और अपनी योग्यता साबित करनी होगी। महिलाएं शुरुआत में सामाजिक मुद्दों को लेकर आवाज उठाएं और समाज में अपनी पहचान बनाएं। सामाजिक संस्थामओं, संगठनों के चुनाव में अपनी दावेदारी प्रस्तुत करें। इस प्रकार वे अपनी योग्यता के बल पर जीत हासिल कर सकती है और सामाजिक संस्थासओं, संगठनों के शीर्ष पदों तक पहुंच सकती हैं। सामाजिक संस्थाजयें, संगठन योग्य महिलाओं को शीर्ष पदों पर आने का अवसर प्रदान करें। महिलाओं के सर्वांगीण विकास हेतु उन्हें प्रेरणा, सम्मान और स्वतंत्रता से काम करने का माहौल देने की आवश्यकता है। सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों के साथ अन्य क्षेत्रों में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए समाज के प्रत्येक स्तरर पर महिला सशक्तीयकरण तथा उनकी सामुदायिक भागीदारी के लिए प्रयास किये जाने चाहिए ताकि उनमें आत्मविश्वास, नेतृत्व क्षमता आदि गुणों का विकास हो।

एक समाज वैसा ही आकार लेता है, जैसा उसके बारे में लगातार कहा जाता है। कुमावत समाज भी अपने बारे में कही जाने वाली कहानियों को बदल रहा है। महिलाओं को सामाजिक संस्थाओं, संगठनों में उचित प्रतिनिधित्व, दृढ़ता, हिम्मत और निरंतरता से समाज के स्त्री-पुरूषों के स्तर में समानता लाने की उम्मीद की जा सकती है।

मेरा मानना है कि ''जहां महिलाओं की अर्चना होती है, सम्मान दिया जाता है, वहां देवताओं का वास होता है।'' महिलाएं आज किसी क्षेत्र में पीछे नहीं है। राजनीति में महिलाएं सक्रिय हैं तो फिर सामाजिक संस्थाओं एवं संगठनों में प्रतिनिधित्व कम क्यों हैं? समाज के वरिष्ठजन, बुद्धिजन, सामाजिक संगठन, संस्थाएं इस पर चिंतन करें।

- जयसिंह गुडीवाल

गुरुनानक देव की पुण्य तिथि 22 सितम्बर पर विशेष

सिख धर्म के प्रवर्तक गुरु नानक का जन्म 15 अप्रेल, 1469 को हुआ था। पंजाब के तलवंडी में जिसे आज ननकाना साहब के नाम से जानते हैं, आज यह पाकिस्तान में है जो इनका जन्म स्थान है। तब अंधविश्वास और आडम्बर को लोग ज्यादा मानते थे। नानक ने बचपन में ही सभी धर्मों का गहन अध्ययन किया और उनका आध्यात्मक की ओर झुकाव हुआ और वे ज्ञानी बन गये। उन्होंने बिना संन्यास धारण किये आध्यात्म की राह को चुना तथा इस कार्य के लिए अपने कर्तव्यों से विमुख नहीं होने का उपदेश दिया। उन्होंने कहा कि आडम्बर और अंधविश्वास को मानने के बजाए व्यक्ति को अपने ज्ञान व गुणों को बढ़ाना चाहिये। वे धार्मिक कुरीतियों के विरुद्ध रहे। उन्होंने लोभ व लालच से भी दूर रहने को कहा तथा प्रेम, एकता, भाईचारे, शांति, सद्भाव एवं समानता का संदेश दिया।

उन्होंने जाति व्यवस्था खत्म करने के लिए धार्मिक सुधार किये, लिंगभेद नहीं मानने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि ईश्वर एक है व निराकार है। उन्होंने लोगों को गलत बातों के लिए जागरूक किया।

गुरुनानक के 3 सिद्धान्त हैं: (1) वंद चाको- दूसरों के साथ उपलब्ध संसाधनों को साझा करना और जरूरतमंदों की मदद करना। **(2) नाम जपना**-पवित्र नाम का जप करना और भगवान को याद करना। **(3) किरात करो**-बिना धोखे व शोषण के ईमानदारी से कमाई करना।

गुरु नानक ने अपने शिष्यों को क्रोध, लोभ, मोह तथा वासना से दूर रहने को कहा, ये बुराईयां व्यक्ति को भ्रम की ओर ले जाती हैं तथा मोक्ष प्राप्ति में बाधक बन जाती हैं। उन्होंने गुरु के महत्व पर जोर देकर कहा कि गुरु, ईश्वर की आवाज है और सभी ज्ञान का सच्चा स्रोत है।

गुरु नानक ने पंजाबी भाषा और गुरुमुखी लिपि में **'गुरुग्रंथ साहब'** नामक ग्रन्थ की रचना की, इसमें अनेक भक्त कवियों जैसे कबीर, रेदास, मूलकदास आदि की वाणियों को शामिल किया।

व्यक्तित्व : गुरु नानक का स्वभाव सरल व स्पष्ट था वे उदार प्रवृत्ति वाले स्वतंत्र और मौलिक चिंतक थे। एक सामान्य व्यक्ति व महान आध्यात्मिक चिंतक एवं समाज सुधारक थे। वे सच्चे उपदेशक, गृहस्थी, शायर, कवि, साधक तथा पर्यटक भी थे। उन्होंने 30 वर्ष तक भारत, तिब्बत तथा अरब देशों की आध्यात्मिक यात्रा की थी तथा सभी धर्मों के बारे में जाना।

70 वर्ष की आयु में 22 सितम्बर 1539 को गुरुनानक देव का निधन हो गया। आज भी सिख धर्मावलम्बियों की गुरुद्वारों और गुरुग्रन्थ साहब के लिए पूर्ण आदर व श्रद्धा है। विश्व के अनेक देशों में सिख धर्म के लोग अपनी धार्मिक परम्पराओं के साथ रह रहे हैं।

बदलते मौसम में रखे अपनों का ख्याल

सितम्बर-अक्टूबर माह में गर्मी के मौसम से सर्दी मौसम आ रहा होता है। इस समय मौसम के अनुकूल शरीर का तालमेल बैठाना अत्यन्त जरूरी होता है, विशेषकर **छोटे बच्चों व बुजुर्गों का**। इस संवेदनशील स्थिति में संतुलित भोजन करना चाहिये तथा शरीर के तापमान को गर्म कैसे रखे इस पर ध्यान देना चाहिये। ठण्डी वस्तुओं का सेवन त्यागना ही बेहतर है तथा गर्म पदार्थ, काढ़ा आदि का सेवन हमारी इम्यूनिटी को बढ़ायेगा।

इस मौसम में आई फ्लू, जुखाम, खांसी व बुखार/मलेरिया, त्वचा रोग जैसी मौसमी बीमारियां हमें अपनी चपेट में ले लेती हैं, जिनका असर 3-4 दिनों तक रहता है। ऐसा होने पर घरेलू उपाय के साथ चिकित्सक से परामर्श कर दवाई का सेवन करें। कृपया लापरवाही नहीं करें अन्यथा आप मौसमी बीमारियों से अधिक समय तक पीड़ित हो सकते हैं। वर्षाकाल के दौरान जन्म लिए मच्छरों का लार्वा नम्बर माह तक सक्रिय रहता है। अतः ध्यान दें कि आसपास कहीं पानी जमा नहीं हो। 5 वर्ष की उम्र तक के बच्चों व बुजुर्गों का इस दौरान विशेष ध्यान रखें तथा साथ ही स्वयं का भी ध्यान रखें, विशेषकर महिलाएं जो सभी का ध्यान रखते हुए प्रायः स्वयं के प्रति लापरवाही कर बैठती है।

माँ मेरा क्या कसूर

जिस दुनिया के लिए मैं उससे लड़ती रही
उसी दुनिया ने मेरी आँखों में धूल झोंकी
जिन पर करती थी मैं भरोसा
उन्हीं ने मेरा भरोसा तोड़ा

रात को छोटे भाई को आ गया था बुखार
चली गई मैं छोड़ के मेरे हाथ के सारे काम
ना पहनी पाँव में चप्पल ना गले में चुन्नी
बस एक ही चीज दिमाग में थी की लेकर आनी है दवाई

सूनी पड़ी थी वह गली वह सड़क
अंधेरे में लग रहा था मुझे डर
पर क्या करूं बीमार भाई भी तो था घर
जाना तो था ही निभाने मेरा फर्ज
एकदम से सुनाई दी एक तेज पुकार
मुझे से उसने पूछा कि छोड़ना है मुझे किसी पार
तो मैंने किया था इंकार
लेकिन एक से वह हो गए थे चार

डर से मैं काँपने लगी
हाथ पैर सुन होने लगे
लेकिन मैंने हार ना मानी
इज्जत बचाने के लिए मैं थी भागी

पर क्या करें, वह तीन मैं अकेली
मैंने चिल्लासा-चीखा
पर किसी ने मेरी एक न सुनी
या पता नहीं की लोगों ने
शायद सुन-कर भी अनसुनी कर दी
मैंने मदद माँगी, पर मुझे बदले में
ताने सुनने को मिले
गंदी, बेशर्म, पता नहीं
क्या-क्या लोग कहें

मेरे साथ ही जबरदस्ती करी
मुझ पर ही इंजाम लगाया
शायद लोगों को मेरी खुशी से जीना
ये देखकर ना भाया

माँ मेरा क्या कसूर
मुझको क्यूँ है बुरा बताया
मुझे तो इस दुनिया ने हराया
मेरी ना कोई गलती ना कोई दोष
लेकिन मुझे ही क्यूँ दोषी ठहराया।

-तेजस्वी

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, जोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोरिया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल टोंक फाटक, जयपुर

विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, डोढसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

21 अगस्त श्री हरीश चन्द्र धनारिया, पुलां, उदयपुर
21 अगस्त श्रीमती मंगली देवी धर्मपत्नी स्व. श्री भीमाराम भौंरोदिया, जयपुर
22 अगस्त श्री मोहन लाल कुदाल निवासी प्रेम नगर, मझेला रोड, किशनगढ़
22 अगस्त श्रीमती सुन्दर देवी धर्मपत्नी श्री गंगाराम सिरस्वा, पवनधाम एक्सटेंशन, इंदौर
23 अगस्त श्री आनन्द प्रकाश जालवाल, करतारपुरा, जयपुर
24 अगस्त श्री नाथूलाल नेहरा (पुष्कर वाले), कुमावत कॉलोनी, ब्यावर
25 अगस्त श्री रामबक्श सिंह बैरा, महावीर नगर, सांगानेर, जयपुर
26 अगस्त श्री तुलसीराम बाबरिया, उदयुपर
27 अगस्त श्रीमती विमला धर्मपत्नी स्व. श्री रामस्वरूप दम्बीवाल, सीकर हाउस, जयपुर
27 अगस्त श्री श्याम लाल कोलगूगरिया, जमना कॉलोनी, सीकर रोड, जयपुर
30 अगस्त श्री टिक्कु राम कुमाव तपुत्र स्व. श्री जोखीराम धुवारिया, झोटवाड़ा, जयपुर
31 अगस्त श्री लल्लूराम भोड्या (चौमूं वाले), किशनगढ़, रेनवाल
31 अगस्त श्रीमती घीसी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री श्योराम मारोठिया, निर्माण नगर, जयपुर
2 सितम्बर श्री हंसराज चांदपोल, बाजार जयपुर
2 सितम्बर श्रीमती गुरुप्यारी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री प्रभूदयाल जालवाल, जयपुर
3 सितम्बर श्रीमती मंजू धर्मपत्नी श्री सत्यनारायण घोड़ेला, अजमेर
3 सितम्बर श्री मोहन पुत्र स्व. श्री लाल चन्द गैदर, बिनोबा बस्ती, जयपुर
4 सितम्बर श्री आनन्दीलाल बालोदिया, रामनगर विस्तार, सोडाला, जयपुर
5 सितम्बर श्रीमती शांता देवी वर्मा, धर्मपत्नी स्व. श्री चितरंजन वर्मा, मुरलीपुरा, जयपुर
5 सितम्बर श्री मनोहरलाल नीमीवाल, कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर
6 सितम्बर श्री रतनलाल राणोलिया, शास्त्रीनगर, जयपुर
7 सितम्बर श्री कैलाश चंद सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
7 सितम्बर श्री देवकी नन्दन घोड़ेला, सहकारनगर, झोटवाड़ा, जयपुर
7 सितम्बर श्री कैलाश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
8 सितम्बर श्री हेमराज साड़ीवाल, चांदपोल बाहर,उदयपुर
8 सितम्बर श्रीमती मोहनी देवी धर्मपत्नी स्व. श्री रामदयाल धुंधारिया, महेश नगर, जयपुर
10 सितम्बर श्रीमती सीता देवी धर्मपत्नी श्री ओम प्रकाश, चाकसू
10 सितम्बर श्री राधेश्याम पुत्र श्री जगदीश प्रसाद धुंधारिया, नीदड़, जयपुर
13 सितम्बर श्रीमती लीला देवी झालवाल, उदयपुर
15 सितम्बर श्री रमेश कुमावत पुत्र स्व. श्री भंवरलाल जी सिरस्वा, सांगानेर, जयपुर
15 सितम्बर श्री चन्द्रेश वर्मा पुत्र स्व. श्री राजेन्द्र नरानिया धोलाई, जयपुर
16 सितम्बर श्रीमती संतोष देवी धर्मपत्नी हरिनारायण छापोला, हाथोज, जयपुर
16 सितम्बर श्री कन्हैयालाल कुमावत पुत्र स्व. श्री नाथूलाल पारमवाल, किशनगढ़, अजमेर७

विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

युवक

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
सावरमल	B.Tech.	Private Job	12.7.95	5'7''	ब्याड़वाल	जलान्दरा	सिरस्वा	भोडिया	9829009115	जयपुर
मोहित	B.E.(Civil)	PVT Job	23.6.97	5'8''	कुदाल	जलान्दरा	तूंदवाल	सिरस्वा	98826247709	इन्दौर
सुरेश	M.A., ITI	Govt job	15.4.93	5'4''	बबेरवाल	घोड़ेला	मारवाल	सिरस्वा	9828484833	जयपुर
दीपक	BA, ITI	Reliance JIO	1.12.93	5'7''	मारोठिया	लोहरवाड़िया	पारमवाल	भोरोदिया	8058863949	अजमेर
राजकुमार	B.A. Diploma.Com.	Self business	1.09.82	5'9''	जलान्दरा	बारावाल	उज्जीवाल	-	7737718472	जयपुर
प्रमोद	M.Com.	Pvt. Ltd, Job	21.11.92	5'6''	खोवाल	बबेरीवाल	कारगवाल	बालोदिया	8952096626	जयपुर
रचित	B.Tech. (EE)	Pvt. Ltd. enginer	16.7.94	5'8''	टांक	खोरानिया	बबेरीवाल	मण्डावरा	9351767706	उदयपुर
प्रशान्त	B. Tech. (Civil)	Pvt. Job	17.5.97	5'9''	जालवाल	ब्याड़वाल	कारगवाल	कुद्दीवाल	9314166077	जयपुर
धवल	B.com.	Graphic Designer	30.6.88	5'0''	खोवाल	किरोड़ीवाल	घोड़ेला	घासोलिया	7850967149	जयपुर
आकाश		Pvt. Job	7.10.91	-	उदयवाल	राहोरिया	सारड़ीवाल	देवतवाल	9001517937	जयपुर
भारत	M.Com.	Self Business	20.12.93	5'9''	घुमूनिया	खोरानिया	बालोदिया	भरभूटिया	8107685811	नागौर
गौरव	M.Com., Bed. RSCIT	Self Business	19.11.93	5'6''	धुंधारिया	सिरस्वा	कारगवाल	आईथान	9660038648	जयपुर
अभिषेक	M.Com., LLB CA Inter	Tax consultant	2.9.94	5'10''	मारवाल	देवतवाल	तूंदवाल	गैदर	9351935363	जयपुर
कार्तिक	BA. ITI	Ass. loco Pilot	8.3.95	5'7''	तूंदवाल	बबेरवाल	सिंघनवाल	मारोठिया	9887085913	श्रीमाधोपुर
गिरधर	B. Tech. (Mech.)	Team Leader	12.1.96	5'7''	निमीवाल	घोड़ेला	दादरवाल	मारोठिया	8104800107	जयपुर
हिमांशु	B.Com., CA	Self Business	24.3.91	5'11''	कुण्डलवाल	जलान्दरा	जेठीवाल	बोड़या	9828089601	जयपुर
जयप्रकाश	MA,ITI, DTP	Telecom Line	25.5.94	5'5''	राजोरा	राहोरिया	मारोठिया	बेड़वाल	9462660949	जोबनेर

युवतियाँ

नाम	शिक्षा	व्यवसाय	जन्म	ऊंचाई	गौत्र				संपर्क सूत्र मो. नंबर	स्थान
					स्वयं	माता	दादी	नानी		
आयुषी	P.G.Fashion Desg.	Self Business	1.8.96	5'4''	जलान्दरा	जालवाल	धुंधारिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
भावना	B.Sc. Fash. Desg	Pvt. Job.	18.12.90	5'2''	बबेरीवाल	सारड़ीवाल	घोड़ेला	खोवाल	9461802111	जयपुर
मनीषा	M.Com. (ABSR)	-	14.7.94	5'3''	बबेरीवाल	माचीवाल	देवतवाल	सिरस्वा	8824390772	जयपुर
अंजली	M.Com. MBA	-	26.12.95	5'7''	सोकल	लुहानीवाल	खरेसिया	घोड़ेला	8003835004	जयपुर
डॉ. शिप्रा	MBBS	Pre. for PG	22.9.96	5'3''	राहोरिया	मानिया	मण्डोरा	तूंदवाल	9460526511	ब्यावर
संध्या	MA, Bed, RS-CIT	-	25.9.90	5'3''	मारवाल	भोड़ीवाल	मारोठिया	किरोड़ीवाल	8769072611	झुंझुनूं
श्यामा(तलाकशुदा)	Electronic Engineer		7.9.95	5'4''	नागा	कुदाल	पारमवाल	घोड़ेला	9425091181	उज्जैन
श्वेता	M.A. Fash. Desig.	Self Business	9.12.92	5'3''	दोराया	खण्डेरिया	राजोरिया	बासनीवाल	9785026188	जयपुर
सोनल	B.Com., CS,ICSI	-	4.4.93	5'5''	मावर	किरोड़ीवाल	बेडवाल	माचीवाल	7999823948	अजमेर
भानू	Master of Visual art	Self Business	5.8.98	5'4''	जलान्दरा	जालवाल	धुंधारिया	बालोदिया	8000788131	जयपुर
दिव्या	B.Tech (CS)	Pvt. Job.	29.6.91	5'3''	भोरोदिया	छाबल्या	खूखवाल	ऊंटवाल	8947992776	जयपुर
दुर्गेश नन्दनी	B.Tech (IT)MBA	Pvt. Job.	1.12.94	5'2''	किरोड़ीवाल	सारड़ीवाल	कारगवाल	घोड़ेला	9351383277	जयपुर
रविता	M.Com., RSCIT	-	12.1.97	5'3''	मारवाल	अनावड़िया	बधानिया	राहोरिया	9887231651	जयपुर
सोनिया	B.Com diploma	Graphic dign	26.7.97	5'2''	होदकास्या	घोड़ेला	तुन्दवाल	जलान्दरा	9887005416	जयपुर
पूजा	BA	-	27.2.98	5'3''	खोराणिया	भोरया	तूंदवाल	मारोठिया	8824358693	जयपुर
मोनिका	M.Com.	ICICI Banks	13.6.94	5'1''	पारमवाल	घोड़ेला	लोहरवाड़िया	खाटूवाल	9351007736	ब्यावर
विजयलक्ष्मी	M.A. Bed.	Assi. Profesor	5.2.93	5'1''	मारोठिया	दंबीवाल	राहोरिया	किरोड़ीवाल	9829721729	किशनगढ़
हिना	M.Tech.	Pvt. Ltd.	3.2.92	5'0''	मारवाल	बबेरीवाल	घासोलिया	मनेईतिया	9212307238	देहली

नोट : 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी नि:शुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है। नवीनतम अपेडेट जानकारी हेतु कृपया व्यक्तिगत सम्पर्क करें।

पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्रीः- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।

पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज (माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।

-: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में निःशुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

जयपुर :

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394

निर्विरोध निर्वाचन पर समाजजनों का आभार

अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष (महिला)	मंत्री	कोषाध्यक्ष	संगठन एवं प्रचार मंत्री	उपमंत्री
भारती तोंदवाल	ओमप्रकाश कुलचानिया	माया घोड़ीवाल	गौरव अजमेरा	सुरेन्द्र घोड़ीवाल	अजय अनावड़िया	आशुतोष कोलुगरिया

उपमंत्री	उपमंत्री (महिला)	सहा. कोषाध्यक्ष	सदस्य	सदस्य	सदस्य	सदस्या	सदस्या
अनिल वर्मा	प्रिया मारवाल	महेन्द्र कोलुगरिया	रमेश गैदर	हरदेव कुमावत	रवि घोड़ीवाल	शशि घोड़ीवाल	सीमा मारवाल

समस्त निर्वाचित उम्मीदवार

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति, मालवीय नगर, जयपुर

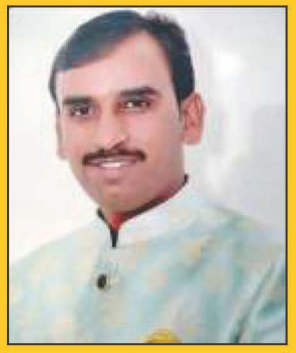

Pawan Kumawat
M.: 9983985850

Ravi Kumawat
M.: 9314779880

GOVERDHAN IMPEX

Manufacturer & Exporter of

92.5 Sterling Gold & Sliver Jewellery,
Article & Gems Stones

E-mail : pawankumawat208@gmail.com

Shri Bajrang Arts & Jewels

Manufacturer & Dealer of

Marble, Stone Figure, Marble, Silk, Paper Painting,
Silver & Fashion Jewelery
Also Deals in :
Precious & Semi Precious Stones & Rashi Ratan

Plot No. 11, Gordhan Nagar (South) Behind Dev Narayan Mandir,
Toll Tax, Tonk Road, Sanganer, Jaipur-302033 (Raj.)

श्रीमती भारती तोंदवाल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर
की प्रथम महिला **अध्यक्ष** निर्वाचित तथा
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की
प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु

रामप्रकाश मारवाल

सम्पादक, 'कुमावत इंडिया' पत्रिका
एवं मंत्री कुमावत क्षत्रिय विकास समिति,
बरकत नगर-टोंक फाटक, जयपुर

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर मो. 9414074376

श्रीमती भारती तोंदवाल

कुमावत क्षत्रिय समाज विकास समिति,
मालवीय नगर, जयपुर
की प्रथम महिला **अध्यक्ष** निर्वाचित तथा
सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की
प्रदेश महिला अध्यक्ष मनोनीत

हार्दिक बधाई

शुभेच्छु **मोहनलाल कुमावत**

सेवानिवृत्त लेखाधिकारी,
संस्थापक अध्यक्ष, दीपामोहन वेलफेयर ट्रस्ट (रजि.)
शिवम् नगर, चंदलाई रोड, प्रेमभाया मंदिर के पास, शिवदासपुरा, जयपुर

नवरात्रा की हार्दिक शुभकामनाएं

केवल महिलाओं के लिए

Hardik
beauty salon

21 सालों से कार्यरत

विशेषज्ञ : मेकअप, कराटिन, स्मूथनिंग, हेयर हाइलाइट्स, हेयर स्पा, बॉडी मसाज, थ्रेड, वैक्स , फेशियल और भी अन्य सेवाएं ब्रांडेड प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हुए इकोनॉमिक रेट्स पर उपलब्ध हैं।

संपर्क : 93515-76710

64, ग्रेटर कैलाश कॉलोनी, एपेक्स मॉल के पीछे, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर

रक्तदान, चिकित्सा जांच तथा प्रतिभा सम्मान समारोह

श्रीमती भंवरी देवी चैरिटेबल सोसायटी के तत्वावधान में 13वें विशाल स्वैच्छिक रक्तदान शिविर, नि:शुल्क चिकित्सा जांच एवं प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन 20 अगस्त, 2023 को जयपुर में किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जयपुर शहर सांसद श्री रामचरण बोहरा, उद्घाटनकर्ता श्री अरुण चतुर्वेदी तथा अध्यक्षता भाजपा ओबीसी के जयपुर शहर जिलाध्यक्ष थे। मंच का संचालन श्रीमती प्रियंका कुमावत द्वारा किया गया। इस अवसर पर 100 से अधिक प्रतिभावान विद्यार्थियों को मोमेंटो व प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। शिविर में कान, नाक व गला तथा आँख, दांत व हृदय रोग विशेषज्ञों ने अपनी नि:शुल्क सेवाएं दी। 157 रक्तवीरों ने रक्तदान किया। रक्तदान सबसे बड़ा पुण्य का कार्य है। एक स्वस्थ व्यक्ति को अवश्य रक्तदान करना चाहिए इससे 3 लोगों की जिन्दगी बचाई जा सकती है। इस आयोजन में पुनीत कर्नावट उपमहापौर, राखी राठौड़, राहुल शर्मा, पवन शर्मा पार्षद, अवधेशदास महाराज, बाबूलाल ब्याड़वाल, आचार्य लोकेश कुमावत तथा 'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार के सदस्य भी उपस्थित रहे।

Premiere Institute of Hotel Management

Puri, Odisha.

Affiliated To Utkal University of Culture.

Admission Open...

- Bachelor in Hotel Management (60 seat) & Master in Hotel Management (15 seat)
- Course Fees 41500/-..per year
- Hostel Fees- 4500/- per month
- Contact - 8763483627 (Special Offer for SC & ST students...)

For Girls course fee is 15000/- per year

विज्ञापन

PG Diploma in Hotel Management

1yr Diploma in Hotel Management

All course fees... 41500/- per year

(OR 21000/- per semester)

Web site- www.pihmt.com

22वीं पुण्यतिथि

22 सितम्बर, 2023

स्व. श्री निर्भयाराम घोड़ेला

हम समस्त परिजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

धर्म पत्नी : श्रीमती चौसर देवी, पुत्र-पुत्रवधु : चेतन-भारती, सुनील-सरिता
पुत्री-दामाद : तारा-कल्याण सिंह कैकद्या, शोभा-अनिल जालवाल,
सुषमा-विनीत तारकसी पौत्र: शिवम, कार्तिक, पौत्री : गारगी, कनिष्का

फर्म :

■ मै. श्योजीराम निर्भयराम कुमावत

बिल्डिंग मैटेरियल एवं वाटर सप्लायर्स, फोन : 2707003

■ कार ट्रेक 9414245930

एस.बी. 116, मंगल मार्ग, लालकोठी, टोंक रोड, जयपुर।

निवास : एफ 167, गौतम मार्ग, सी-स्कीम, जयपुर

फोन : 9351715807

30वीं पुण्यतिथि

7 अक्टूबर, 2023

स्व. 7.10.1993

स्व. 9.4.1999

24वीं पुण्यतिथि

9 अप्रेल, 2023

भोंरीलाल धुंधारिया (भंवर जी) श्रीमती भँवरी देवी

श्रद्धासुमनांजलि अर्पित करते हैं

श्रद्धान्वत

पुत्र-पुत्रवधु : लालचंद-विमला, सुरेश-अनिता, पुत्री-दामाद : डॉ. नेमीचंद घोड़ेला-रुकमणी,
मोहनलाल रेणीवाल-शांति, प्रेमनारायण घोड़ेला-इंदिरा पौत्र-पौत्रवधु : आदित्य-नेहा,
राहुल-मानसी, नीरज-चिंकी, दोहित्र-दोहित्र वधु : मोहनलाल घोड़ेला-सुनीता, नवीन घोड़ेला-लक्ष्मी,
कृष्ण गोपाल रेणीवाल-श्रुती, कमल किशोर रेणीवाल-पिंकी, रवि रेणीवाल-रजनी,
पवन घोड़ेला-मधु, दोहिती-दामाद : चन्द्रकान्ता-नरेन्द्र आसीवाल

बी-137बी, आनन्दपुरी, मोती डूंगरी रोड, जयपुर मो. 9414335998

27, शिव विहार, महाराणा प्रताप रोड, जयपुर मो. 72129924039

Rakesh Sirohiya

Harinarayan Premraj

Manufacturers & Suppliers

Sandal Wood, Rose Wood, Abony & Plain Wood Articals, Silk, Paper, Gem Stone, Marble Painting, Agarbatti etc.

Near Hotel Rajputana Palace Shereton, Digamber Jain Temple, Railway Station, Jaipur-302006 (INDIA)

Ph.: 0141-2374530 | Mob.: +91 9829405503

Email : harinarayanpremraj@gmail.com

DPS AJMER

Senior Secondary School

Dps Ajmer, Near Tabiji Railway Crossing, Tabiji Farm Road, Tabiji, Ajmer

Tel.+0145-2973002/03/04 | E-mail : info@dpsajmer.in | website : www.dpsajmer.in

Shubh Laxmi Crane & Engineers

(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service)

All India Equipments Rental Service Provider

Jai Kishan Kumawat
+91- 9829125428
+91- 9887011175

Shankar Lal Kumawat
+91- 9887227775

Mukesh Kumar Kumawat
+91- 9887337775

H.O.
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

B.O.
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300